डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

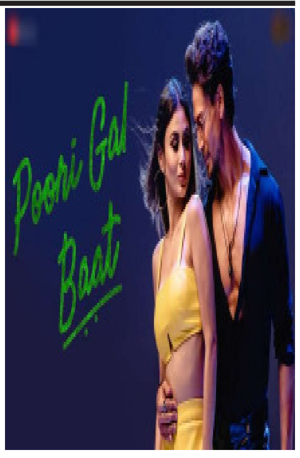

PG-8

सिनेमा:टाइगर श्रॉफ की 'पूरी गल बात' पर लगा धुन चुराने का आरोप म्यूजिक कंपनी पर भड़के फैंस

वर्ष -08 अंक -06 | प्रयागराज, शनिवार 05 मार्च, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

भारत ने अफगानिस्तान भेजी दो हजार टन गेहूं की दूसरी खेप

अमृतसर। भारत की मानवीय सहायता के तहत अन्न संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान को गुरुवार को दो हजार मीट्रिक टन गेहूं की दूसरी खेप अटारी सीमा के रास्ते भेजी गई। यह अफगानिस्तान के जलालाबाद पहुंचेगी। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई जिसमें बताया गया कि इसका वितरण संयुक्त राज्य विश्व खाद्य कार्यक्रम के जरिए किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के सचिव अरविंद बागची ने कहा, 'अफगानिस्तान के साथ विशेष संबंध के प्रति भारत प्रतिबद्ध है। इससे पहले 22 फरवरी को भारत ने 2500 टन गेहूं पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान भेजा था। इस माह के शुरुआत में ही भारत ने घोषणा की थी कि पाकिस्तान के रास्ते भारत द्वारा कुल 50 हजार टन गेहूं अफगानिस्तान भेजा जाना है।

भारत ने रूस का दावा किया खारिज कहा- छात्रों की निकासी में मिल रहा है यूक्रेन का पूरा सहयोग

नई दिल्ली। युद्ध में घिरे भारतीय छात्रों को यूक्रेन में बंधक बनाए जाने के रूस के दावों को भारत ने सिरे से खारिज करते हुए साफ छात्रों को निकालने में यूक्रेन का सहयोग मिल रहा है। भारत ने यूक्रेन के अधिकारियों से विशेष ट्रेन का प्रबंध करने का आग्रह है जंग के मैदान में दोनों देशों के बीच चल रहे कूटनीतिक-रणनीतिक दांवपेच के बीच भारत ने यूक्रेन के भी उस दावे को नकार दिया कि रूस ने भारत समेत कुछ अन्य देशों के छात्रों को भारी बमबारी कर बंधक बना रखा है। यूक्रेन में भारतीय छात्रों को बंधक बनाए जाने का दावा कर कूटनीतिक सनसनी फैलाने का प्रयास रूस ने बुधवार देर रात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर हुई वार्ता के बाद किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन से खार्कीव और सूमी में भीषण बमबारी में फंसे भारतीय छात्रों की निकासी को लेकर बात की थी।रूस ने दावा किया था कि यूक्रेन भारतीय छात्रों को बंधक बनाकर उन्हें मानवीय ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। रूस के इस आरोप के बाद यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर इससे इनकार किया था। उसका कहना था कि उसके शहरों पर जारी भयंकर रूसी बमबारी और मिसाइल हमलों के चलते छात्रों का निकलना मुश्किल है।

यूरोप के सबसे बड़े जैपोरिझिया न्यूक्लियर पावर प्लांट पर हुए रूस के हमले से बढ़ी चिंता

कीव । यूक्रेन के सबसे बड़े जैपोरिझिया परमाणु संयंत्र पर हुए रूस के हमले के बाद वहां पर आग लगी है। ये न्यूक्लियर पावर प्लांट दक्षिण यूक्रेन में स्थित है। इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी इस हमले के बाद लगातार यूक्रेन के संपर्क में है और स्थिति का जायजा ले रही है। अंतरराष्ट्रीय एटोमिक एजेंसी इस बारे में एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। एजेंसी के डायरेक्टर जनरल रफेल मारिआनो ग्रोसी ने रूस से अपील की है कि वो बल का प्रयोग न करे। साथ ही एजेंसी ने इस बात के लिए भी आगाह किया है कि जरा सी चूक से स्थिति बेहद खतरनाक हो सकती है और रेडिएशन फैल सकता है। इस परमाणु संयंत्र पर हुए हमले के बाद रफेल ने यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनीस शेमगल से बात की है। इसके अलावा उन्होंने यूक्रेनियन रेगुलेटर और आपरेटर्स से भी बात की है और इसकी गंभीरता के बारे में उन्हें चौकसन भी किया है। उन्होंने रूस की सेना से अपील के जरिए कहा है इसमें यदि रिएक्टर को नुकसान पहुंचता है तो ये स्थिति बेहद गंभीर होगा। इस बीच यूक्रेन ने कहा है कि जैपोरिझिया न्यूक्लियर पावर प्लांट में लगी आग से जरूरी उपकरण को नुकसान नहीं पहुंचा है। यूक्रेन ने अपने एक बयान में अंतरराष्ट्रीय एटोमिक एजेंसी से कहा है कि बड़ी संख्या में रूस की सेना और उसके

टैंक जैपोरिझिया न्यूक्लियर पावर प्लांट से कुछ किमी दूर इनरहोदर तक पहुंची चुके हैं। यूक्रेन रेगुलेटर आथरिटी ने भी एक पत्र लिखकर कहा है कि रूस की फौज इस तरफ आ रही है और हालात लगातार खराब हो रहे हैं। आथरिटी ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी को एक ट्वीट के जरिए ये भी कहा है कि फिलहाल यहां के रेडिएशन स्तर में कोई बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। ईस्टर्न यूरोपीयन मीडिया नेक्सटा के मुताबिक न्यूक्लियर पावर प्लांट के प्रेस सर्विस के प्रवक्ता एंड्रे तुज का कहना है कि फिलहाल रेडिएशन के बढ़ने का खतना नहीं है। इससे पहले इसके पास के सिटी मेयर ने कहा था कि रूस की गोलाबारी से न्यूक्लियर पावर प्लांट में आग लग गई है और वहां तक दमकलकर्मी भी नहीं पहुंच पा रहे हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्री का कहना है कि रूस की फौज चारों तरफ से प्लांट पर हमला कर रही है।

पुतिन बोले- यूक्रेन को सबक सिखाकर रहेंगे, जेलेंस्की का पलटवार बचाव नहीं अब हम भी करेंगे हमला

कीव। यूक्रेन में इमारतें खंडहर में तब्दील हो रही हैं तो हवा में घुली बारूद बाशिंदों में बेचैनी पैदा कर रही है। बच्चे और बुजुर्गों का बुरा हाल है, औरतें भी रात-दिन के धमाकों से हलकान हैं। यूक्रेन में छिड़ी लड़ाई का अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से बातचीत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ कह दिया है कि यूक्रेन को सबक सिखाए बगैर हमले नहीं रुकेंगे। यूक्रेन को हथियार मुक्त करने से कम में युद्ध नहीं रुकेगा। यूक्रेन को तटस्थ भूमिका में आना होगा। इस बीच गुरुवार को भी रूसी हमलों से यूक्रेन के शहर थर्राते रहे। राजधानी कीव को चारों ओर से घेरकर आगे बढ़ रही रूसी सेना को हर कदम पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आमजन रूसी सैनिकों का मुकाबला कर रहे हैं। नागरिकों के हताहत होने का यह भी एक बड़ा कारण है। दूसरे बड़े शहर खारकीव में भीषण लड़ाई छिड़ी हुई है। एक बार दाखिल होकर बाहर हुई रूसी सेना यहां पर पूरी बेरहमी से हमले कर रही है। गोलाबारी

और बमबारी से इस शहर में बीते 24 घंटे में 34 लोग मारे गए हैं। इस बीच बालाक्लीया शहर पर रूसी सेना का कब्जा होने की खबर है। रूस के हमले तेज होने से यूक्रेनी शहरों से पलायन भी तेज हुआ है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी संगठन के अनुसार अभी तक दस लाख से ज्यादा लोग देश से बाहर जा चुके हैं। इनमें से करीब आधे लोग पोलैंड गए हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एलान किया है कि अब उनकी सेना बचाव नहीं रूसी सेना पर हमला करेगी। उन्होंने लोगों से रूसी सेना पर गुरिल्ला हमले करने का आह्वान किया है। बदली रणनीति में रूसी सेना ने अब समुद्र तटीय शहरों पर हमले बढ़ा दिए हैं। बड़े बंदरगाह वाले शहर ओडेसा को घेरकर काला सागर और जमीन से हमले हो रहे हैं। समुद्र के किनारे बसे खेरसोन पर रूसी सेना ने पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। प्रमुख स्थानों पर कब्जे के बावजूद वहां छिटपुट लड़ाई जारी थी, लेकिन गुरुवार को वह लड़ाई भी खत्म हो गई। खेरसोन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बंदरगाह है। अजोव सागर के तट पर स्थित मारीपोल शहर में भीषण लड़ाई के बीच रूस समर्थित विद्रोहियों ने यूक्रेन के सैनिकों से आत्मसमर्पण के लिए कहा है। समर्पण न करने पर भयंकर दुष्परिणाम की चेतावनी दी है।

देश में तीसरी लहर के दौरान वैक्सीन से बची लोगों की जान, व्यापक टीकाकरण के चलते भारत में दुनिया की तुलना में कम रहा प्रभाव, चौथी लहर की आशंकाएं खारिज

नई दिल्ली। ओमिक्रोन के कारण आई कोरोना की तीसरी लहर में वैक्सीन ने लोगों की जान बचाई। बड़े पैमाने पर टीकाकरण के कारण संक्रमितों और मरने वालों की संख्या दुनिया के अन्य देशों की तुलना में कम रही। जिन लोगों

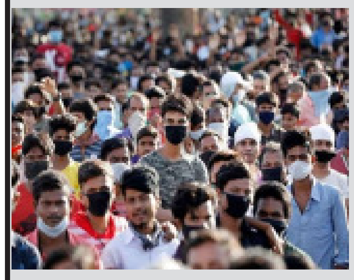

की मौत भी हुई, उनमें वैक्सीन नहीं लगाने या एक ही डोज लेने वालों की संख्या ज्यादा रही। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने ओमिक्रोन के कारण आई लहर से प्रभावित अन्य देशों के साथ भारत की तुलना करते हुए बताया कि पूरी दुनिया में इसके कारण एक दिन में सर्वाधिक 42,34,712 मामले दर्ज किए गए थे। जो पिछली लहर की पीक 9,04,253 से 4.68 गुना अधिक है। लव अग्रवाल ने बताया कि जर्मनी में पिछली पीक की तुलना में इस बार 8.86 गुना अधिक मामले दर्ज किये गए। लेकिन भारत में ओमिक्रोन के कारण एक दिन में सर्वाधिक 3,47,254 नए मामले दर्ज किए गए, जो पिछली पीक 4,14,188 से काफी कम है। तीसरी लहर से होने वाली मौतों के मामले में भी भारत की स्थिति दुनिया के अन्य देशों से बेहतर रही है। लव अग्रवाल के अनुसार ओमिक्रोन के कारण दो से आठ फरवरी के सप्ताह में प्रतिदिन औसतन सर्वाधिक 10,787 मौतें हुई और पिछले हफ्ते भी यह संख्या 8,330 रही। वहीं भारत में उसी हफ्ते प्रतिदिन औसतन 615 लोगों की सर्वाधिक मौत दर्ज की गई, जो पिछले हफ्ते गिरकर 144 रह गई। आइसीएमआर के महानिदेशक डाक्टर बलराम भार्गव ने बताया कि कोरोना से होने वाली मौतों और उनमें टीका लेने वालों की संख्या पर लगातार नजर रखी जा रही है। इससे साफ हुआ है कि वैक्सीन की एक डोज भी मौत रोकने में 98.9 फीसद और दोनों डोज 99.3 फीसद तक कामयाब हैं। लव अग्रवाल ने बताया कि देश में 18 साल से अधिक उम्र के 97 फीसद लोग एक डोज और 76.66 फीसद दोनों डोज ले चुके हैं। इसी तरह से 15 से 18 साल की उम्र के 74 फीसद किशोर एक डोज और 39 फीसद दोनों डोज ले चुके हैं।

परमाणु प्लांट की घटना पर बोरिस जानसन ने की जेलेंस्की से बात

लंदन। यूरोप के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में आग लगने की घटना को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से

बातचीत की है। जानसन ने न्यूक्लियर प्लांट की घटना पर चिंता जाहिर की है। जानसन ने जेलेंस्की से कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की लापरवाह कार्रवाई अब सीधे तौर पर पूरे यूरोप की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है। जानसन ने आगे कहा कि ब्रिटेन यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि स्थिति और न बिगड़े। उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक की मांग करेंगे और ब्रिटेन इस मुद्दे को रूस और करीबी सहयोगियों के साथ तुरंत उठाएगा। बता दें कि यूरोप के सबसे बड़े परमाणु प्लांट के रिएक्टरों में आग लग गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी सेना ने परमाणु प्लांट पर हमला किया है। जेलेंस्की ने ट्वीट कर कहा कि यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु प्लांट खतरे में है। इससे पहले यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा था कि रूस परमाणु प्लांट पर लगातार गोलीबारी कर रहे हैं।

देश में कोरोना के मामलों में मामूली गिरावट, 24 घंटे में आए 6396 नए मामले, 201 लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में आज कोरोना के नए मामलों में मामूली गिरावट देखने को मिली है। बीते 24 घंटे में देशभर में कोरोना के 6,396 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, कल यानी गुरुवार को कोरोना के 6,561 नए केस सामने आए थे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में मृतकों की संख्या में इजाफा देखा गया है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान कोरोना के 201 मरीजों की मौत हुई है जबकि गुरुवार को कोरोना से 142 लोगों की मौत हुई थी। अब तक कोरोना से कुल 5,14,589 लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान 13,450 लोग रिकवर भी हुए हैं। एक्टिव केस घटकर अब 69,897 हो गए हैं। वहीं, अब तक देश में कुल 4,29,51,556 कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं, 4,23,67,070 लोग ठीक हो चुके हैं।

यूक्रेन को चेतावनी की तरह देख रहे हैं क्वाड नेता, हिंद प्रशांत-जापान में नहीं होने देंगे ऐसे हालात; जताई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। यूक्रेन पर रूस के हमले से उपजे हालात के बीच क्वाड संगठन के प्रमुखों ने वर्चुअल तरीके से गुरुवार को बैठक की। क्वाड समूह के देशों अमेरिका, भारत, आस्ट्रेलिया और जापान ने यूक्रेन में जारी संकट के हालात

पर चर्चा की और प्रतिबद्धता जताई कि ऐसे हालात हिंद प्रशांत जापान में नहीं बनने देंगे। चार देशों के समूह क्वाड की यह एक वर्चुअल बैठक ऐसे समय हुई है जब यूक्रेन के हालात को देखते हुए स्वशासित द्वीप ताइवान ने चीन से संभावित खतरे को देखते हुए अपनी सतर्कता का स्तर बढ़ा दिया है। उसे लगता है कि यूक्रेन संकट से पश्चिमी देशों का ध्यान बंटने की स्थिति का चीन लाभ उठा सकता है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन संकट के समाधान के लिए वार्ता और कूटनीति की राह अपनाने पर जोर दिया। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने यूएन चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून को भी अहम बताया और इसका अनुसरण करने की बात दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी के अलावा इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन, आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्काट मारिसन और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा मौजूद थे। व्हाइट हाउस ने कहा कि अब क्वाड मीटिंग वर्चुअल नहीं होगी क्योंकि समूह के सदस्य देशों ने अगली बैठक के लिए टोक्यो में व्यक्तिगत तौर पर मौजूद रहने की बात कही है। बैठक शुरू होने से पहले अमेरिका की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि यह बैठक मुख्य तौर पर यूक्रेन पर रूस के हमले और इसके हिंद प्रशांत क्षेत्र में होने वाले असर पर चर्चा के लिए बुलाई गई है।

अमेरिका ने जताई उम्मीद, रूस और यूक्रेन के बीच जल्द होगी तीसरे दौर की बातचीत

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच अमेरिका ने उमीद जताई है कि हाल ही में दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद रूस का सैय अभियान खत्म

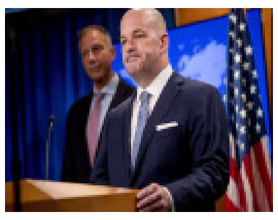

हो जागा। अमेरिका के डिप्टी असिसटेंट सेक्रेटी आफ स्टेट क्रिटोफर राबिंसन का कहना है कि अमेरिका मानता है कि इस बातचीत के बाद हम मानते हैं कि रूस अपनी फौज को भी वापस ले लेगा। उन्होंने कहा कि वो समझते हैं कि यूक्रेन और रूस के बीच बातचीत खत्म हो गई है। आपको बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच बेलारूस में हुई दूसरे दौर की बातचीत के बाद जल्द ही तीसरे दौर की बातचीत भी होगी। बता दें कि शुक्रवार को नाटो की एक आपात बैठक भी होनी है जिसमें रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग पर चर्चा होनी है। यूक्रेन कई अमेरिका समेत कई यूरोपीय देशों ने सैन्य साजो सामान की मदद दी है। हालांकि नाटो इस जंग से अब तक अलग है। गौरतलब है कि रूस के यूक्रेन पर हुए हमले में अब तक दो हजार से अधिक यूक्रेन नागरिकों की जान चली गई है और रूस के भी पांच सौ से अधिक जवान मारे गए हैं। इन हमलों को रोकने के लिए पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की आम सभा की आपात बैठक भी बुलाई गई थी। इसमें जहां यूक्रेन ने कहा कि रूस उनके नागरिकों का जीवन तबाह कर रहा है वहीं रूस ने कहा कि वो यूक्रेन को पूरी तरह से हथियार विहीन बनाने का पक्षधर है और वो ऐसा करके रहेगा।

मुंबई, दिल्ली, व हिंडन एयरबेस पर विमानों की लैंडिंग आज आएंगी 18 उड़ानें; यूक्रेन से वापसी का सिलसिला जारी

नई दिल्ली। आपरेशन गंगा मिशन के तहत शुक्रवार सुबह इंडिगो का एक विमान यूकेन में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर रोमानिया के बुखारेस्ट से दिल्ली के हवाई अड्डे पहुंचा जहां केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री ने बताया, 'प्रधानमंत्री पल-पल की जानकारी ले रहे हैं और खुद इसको देख रहे हैं। जब तक सारे छात्र यूक्रेन से वापस नहीं आ जाते तब तक आपरेशन गंगा जारी रहेगा। हर तरह का इंतजाम यूक्रेन में कर दिया गया है। साथ ही भारत आने के बाद भी इनके अपने घर जाने की व्यवस्था की गई है।' महाराष्ट्र के मुंबई एयरपोर्ट पर शुक्रवार तड़के एयर इंडिया का विमान लैंड हुआ जिसमें यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को रोमानिया के बुखारेस्ट के रास्ते आए। एयरपोर्ट पर केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे ने छात्रों का स्वागत किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार देर रात ट्वीट कर बताया कि शुक्रवार को यूक्रेन से अपने नागरिकों को लेकर 18 विमान आ

रहे हैं। रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट से एक स्पेशल फ्लाइट के जरिए कुछ और भारतीय नागरिकों की गुरुवार देर रात वतन वापसी हुई। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इनका स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'यूक्रेन से एक-एक भारतीय नागरिक को वापस अपने देश लाने के लिए भारत सरकार प्रयासरत है। यहां आने वाले स्टूडेंट का हम स्वागत करते हैं। मैं उन्हें भी शुक्रिया कहना चाहूंगी जिस टीम की सहायता से इनकी सुरक्षित वापसी संभव हो सकी है। स्टूडेंट ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद कहा है।'का 17 विमान गुरुवार देर रात रोमानिया के रास्ते 210 भारतीय नागरिकों को लेकर हिंडन एयरबेस पर लौटा। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने इनका स्वागत किया। यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत सरकार ने आपरेशन गंगा मिशन की शुरुआत की है। विदेश मंत्रालय और नागरिक उड्डयन मंत्रालय मिलकर भारतीय विद्यार्थियों की वापसी के लिए पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। चार केंद्रीय मंत्रियों- हरदीप सिंह पुरी ज्योतिरादित्य एम सिंधिया किरण रिजिजू और जनरल वीके सिंह यूक्रेन के पड़ोसी देशों में गए और वहां से अपने नागरिकों की वापसी व अन्य मामलों का जायजा लिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार अगले दो दिनों में 7,400 से अधिक लोगों को विशेष विमानों के जरिए भारत लाया जाएगा। वहीं शुक्रवार को 3,500 लोगों व 5 मार्च यानि शनिवार को 3900 से अधिक लोगों के भारत लौटने की संभावना है। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सैन्य कार्रवाइयों की शुरुआत की थी। ब्रिटेन और अमेरिका समेत अनेकों देशों पे रूस की इस कार्रवाई पर सख्त एतराज जताया और इसके लिए निंदा की। साथ ही मास्को पर अनेक प्रतिबंध भी लगा दिए हैं।

महिला का शव मिलने से गांवो क्षेत्रो में फैली सनसनी, परिजनो में मचा कोहराम-कोरांव

प्रेमी ने अपनी प्रेमिका को उतारा मौत के घाट,जांच पड़ताल में जुटी पुलिस-कोरांव

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी

कोरांव (प्रयागराज)। कोरांव थाना क्षेत्र हरदिहा माइनर पर

सुबह एक महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के शरीर पर कपड़े नहीं थे।दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर पहुंचे मय फोर्स के साथ थाना प्रभारी निरीक्षक रामाश्रय यादव ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर जांच पड़ताल में जुट गए।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी अनुसार थाना कोरांव के गौरा गांव के रहने वाले किसी व्यक्ति के फोन पर बुलावे के बाद महिला घर से कोरांव बाजार जाने के लिए बुधवार को निकली थी। लेकिन देर शाम तक घर लौट कर वापस नहीं आई तो परिजनों ने खोजबीन करने लगे किंतु महिला का कहीं कोई सुराग नहीं लग सका। सुबह हरदिया माइनर पर निर्वस्त्र अवस्था में सो मिलने से गांव क्षेत्रों में सनसनी फैल गई। पति ने बताया कि गौरा गांव का रहने वाला एक व्यक्ति फोन कर घर से बुलाया था। जिसके फोन पर घर से जाने के बाद वह वापस नहीं लौटी। मृतका की दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या करने की आशंका जताई जा रही है महिला के गाल में दोनों तरफ दांत के निशान देखे गए। मृतका को दो पुत्र एवं दो पुत्रियां है। गुंजा रागनी समेत दोनों पुत्रों परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल हो गया है। अपने माता के लिए चारों बच्चे तड़पते हुए दिखाई दिए।

कुंडा में निर्दलीय प्रत्याशी पर हमले में राजा भैया के कार्यकर्ताओं पर लिखा गया मुकदमा

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए पांचवे चरण के मतदान के दिन कुंडा विधानसभा क्षेत्र के पचमहुआ बूथ पर निर्दलीय प्रत्याशी पर हमले की घटना में पुलिस ने

राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के आठ कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि जांच के तथ्यों के आधार पर एक्शन लिया जाएगा। कुंडा में मतदान के दिन हुए झगड़े में अलग अलग छह मुकदमा लिखा जा चुका है। खरगापुर निवासी धीरेंद्र कुमार पुत्र कृपाशंकर कुंडा विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वह 27 फरवरी को मतदान के दौरान पचमहुआ बूथ पर पहुंचे थे। वहां घात लगाए बैठे धर्मराज सिंह सहित सात आठ लोगों ने उन पर हमला कर दिया व गला दबा दिया था, जिससे वह बेहोश हो गए थे। इस मामले में बाघराय थाने की पुलिस ने धीरेंद्र कुमार की तहरीर पर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के कार्यकर्ता धर्मराज सिंह उर्फ गब्बर सिंह पुत्र कुंवर सिंह, ज्ञान सिंह व अभिमान सिंह पुत्रगण लालजी सिंह, तनूसिंह पुत्र त्रिलोकी सिंह, प्रमोद पुत्र किशोरी निवासीगण पच महुआ व दो-तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। एसओ अखिलेश कुमार का कहना है कि निर्दल प्रत्याशी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके आरोपितों की तलाश की जा रही है। इसके पहले गुलशन यादव और राजा भैया के कार्यकर्ता की ओर से भी कुंडा थाने में अलग अलग केस लिखाया गया है।

सूमी के बंकर में आठ दिनों से छिपे हैं प्रयागराज के दो छात्र, कहा- हालात बेकाबू

प्रयागराज। यूक्रेन के सूमी शहर में भी हालात बिगड़ने लगे हैं। गुरुवार की देर रात रूसी हमले में यहां का पावर प्लांट उड़ा दिया गया, जिससे पूरे शहर में अंधेरा फैल गया। इसके बाद पूरे शहर में

दहशत का माहौल बढ़ गया। सूमी शहर में प्रयागराज के भी दो छात्र फंसे हुए हैं। वे सूमी मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्र हैं और पिछले आठ दिनों से हॉस्टल के बंकर में छिपे हुए हैं। गुरुवार की देर रात प्रयागराज में राजापुर के गंगानगर के रहने वाले अखिलेश मौर्या जो इस समय सूमी मेडिकल यूनिवर्सिटी के हास्टल के बंकर में छिपे हुए हैं। उन्होंने दैनिक जागरण को एक वीडियो भेजा। वीडियो में एक मिसाइल हमले में पावर प्लांट से आग की लपटें उठती हुई दिख रही है। थोड़ी देर बाद पूरे शहर में अंधेरा फैल जाता है। अखिलेश बताते हैं कि यह हमला हमसे बिल्कुल बगल में ही हुआ है। पावर स्टेशन को उड़ा देने के बाद चारों तरफ अंधेरा छा गया है। अखिलेश ने बताया कि अभी तक बिजली थी और बनकर के अंदर दो बल्ब जल रहे थे। रोशनी रहने से थोड़ा साहस बना हुआ था। लेकिन अब चारों तरफ अंधेरा है जिससे दहशत अपने चरम पर पहुंच गई है। हमें कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि हम क्या करें। हमें वाट्सएप पर मैसेज मिला है कि रूस ने पावर प्लांट उड़ा दिया है। हास्टल के बंकर में प्रयागराज के प्रीतम नगर की रहने वाली अर्पिता कुशवाहा भी फंसी हुई हैं। उन्होंने बताया कि बिजली कट जाने के बाद हम लोग बहुत बुरी तरीके से डर गए। यह समझ में नहीं आ रहा था कि अब हम क्या करेंगे। एयर स्ट्राइक का खतरा और बढ़ गया था। यह समझ में नहीं आ रहा था कि हम लोग अगली सुबह देखेंगे या नहीं।

गंगा नदी में बनेगी ४६ लाख रुपये की लागत से कछुआ सेंचुरी, ३० किमी क्षेत्र में पर्यटन का होगा विकास

प्रयागराज। प्रयागराज में कछुआ सेंचुरी बनेगी। इसके लिए वन ने तैयारी तेज कर दी है। अलग-अलग प्रजाति के करीब 10 हजार कछुए यहां पर छोड़े गए हैं। 30 किलोमीटर के दायरे में सेंचुरी बनाने के लिए शासन की ओर से पहले राउंड में 46 लाख रुपये खर्च किया जाना है। इसके तहत 11.56 लाख रुपये का बजट वन विभाग को उपलब्ध करा दिया गया है। 30 किलोमीटर के दायरे में बनने वाले इस सेंचुरी में प्रयागराज के अलावा मीरजापुर और भदोही का क्षेत्र भी शामिल है। प्रयागराज के 17, मीरजापुर के 17 और भदोही के 34 गांवों के सामने गंगा नदी में यह सेंचुरी बनाई जाएगी। प्रयागराज के डीएफओ रमेश चंद्र ने बताया कि बजट से कछुआ सेंचुरी

तथा आसपास का इलाका पर्यटन के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए नदी के दोनों किनारों पर तो विकास होगा। साथ ही मेजा में नेवादा के आसपास पर्यटक जोन भी बनाया जाएगा। इसमें पार्क भी होगा। इसके अलावा पर्यटकों के लिए वहीं से वोटिंग की सुविधा होगी। वहां से पर्यटक सेंचुरी क्षेत्र में जा सकेंगे। वाच टावर भी बनाया जाएगा। वहां लोग नौका विहार भी कर सकेंगे। डीएफओ रमेश चंद्र कहते हैं कि कुछआ सेंचुरी बनाने की कवायद पिछले तीन वर्षों से चल रही है। इस सेंचुरी वाले इलाकों को हजारों कछुआ छोड़ा जा चुका है। धनर?ाशि की पहली किस्त भी उपलब्ध कराई जा चुकी है। अब तेजी से इस क्षेत्र को विकसित करने का काम शुरू हो जाएगा। इसके बनने से संगम नगरी में पर्यटन क बढ़ावा मिलेगा।

सीडीओ ने मतगणना को लेकर अधिकारियों संग की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक

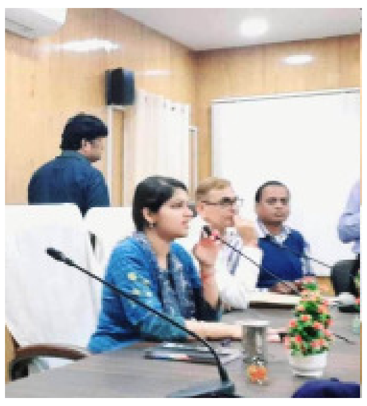

एवं प्रशिक्षण ईशा प्रिया की अध्यक्षता में दिनांक 10 मार्च को होने वाली मतगणना को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग सम्पनन कराने हेतु विकास भवन सभागार में समस्त विधानसभाओं के आर0ओ0 एवं ए0आर0ओ0 के साथ बैठक हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने विस्तार पूर्वक सभी आर0ओ0 एवं ए0आर0ओ0 को पोस्टल बैलेट की गणना एवं ईवीएम के माध्यम से गणना के बारे में जानकारी दी। उन्होने बताया है कि मतगणना कार्मिकों का प्रथम प्रशिक्षण दिनांक 05 मार्च एवं द्वितीय प्रशिक्षण 09 मार्च को संत एन्थोनी इण्टर कालेज में पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक आयोजित होगा। उन्होने कहा है कि प्रशिक्षण दिवसों पर समस्त मतगणना कार्मिक समय से पहॅुचे और प्रशिक्षण प्राप्त करें। निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण/समयबद्ध कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। बैठक में जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, प्राचार्य अफीम कोठी शिव प्रकाश सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत-भारतीय ने किया संपादक अखिल नारायण सिंह का सम्मान

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़।जनपद के यशस्वी पत्रकार संपादक अखिल नारायण सिंह का उनकी समाज एवं राष्ट्र के प्रति निरंतर की जा रही लेखनी की सेवा को दृष्टि में रखकर भारत भारतीय ने उनका सारस्वत सम्मान किया। बता दें कि वह पत्रकार सुमन मासिक पत्रिका एवं न्यूज़ स्टैंडर्ड दैनिक के संपादक एवं प्रकाशक हैं।वह जन सरोकार की खबरों से समस्याओं के निदान के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। संस्था अध्यक्ष डॉ0रणजीत सिंह ने उन्हें अंग वस्त्र,सम्मान पत्र सहित सम्मानित करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना किया।

अदालतें सुलह समझौते के आधार पर करायें वाद निस्तारण-जिला जज

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय की अध्यक्षता में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निस्तारण का संकल्प किया गया कराये जाने हेतु बैठक की गयी। एक बैठक में जनपद न्यायाधीश ने कहा कि दिनांक 12 मार्च 2022 को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में समझौते योग्य आपराधिक मामले, धारा-138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, वसूली मोटर दुर्घटना मामले, वैवाहिक मामले, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, विद्युत एवं जल बिल (अश्मनीय वादों को छोड़कर) सिविल वाद एवं राजस्व वाद आदि निस्तारण योग्य मामलों का निस्तारण किया जायेगा। जिला जज ने न्यायिक अधिकारियों से कहा कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर करायें जिससे राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। बैठक का संयोजन सिविल जज सी0डि0/सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर समस्त न्यायिक मजिस्ट्रेट सी0डि0व जू0 उपस्थित रहे इसी प्रकार पीठासीन अधिकारी एमएसीटी रोहित सिन्हा के द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 12 मार्च 2022 के सम्बन्ध में प्री ट्रायल बैठक की गयी। बैठक में पीठासीन अधिकारी ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों को पक्षकारों की सहमति व सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक मुकदमों का निपटारा कराने में सहयोग की बात कही। बैठक का संयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। बैठक में एमएसीटी वादों से सम्बन्धित विद्वान अधिवक्तागण भी उपस्थित रहे।

मतगणना कार्मिकों का 05 मार्च एवं 09 मार्च को होगा प्रशिक्षण-जिला निर्वाचन अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0नितिन बंसल ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के दृष्टिगत मतगणना कार्मिकों के प्रथम प्रशिक्षण दिनांक 05 मार्च एवं द्वितीय प्रशिक्षण दिनांक 09 मार्च को कराया जाएगा। उन्होंने मतगणना कार्मिकों के प्रशिक्षण हेतु सन्त एन्थोनी इण्टर कालेज को 05 मार्च एवं 09 मार्च के लिये अधिग्रहीत किया है। यह प्रशिक्षण पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक आयोजित होगा।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

यूक्रेन में फंसी छात्रा रेनू के घर पहुंचते ही छाई खुशियां

रौनापार (आजमगढ़)। रूस के हमले के बाद यूक्रेन में फंसी सगड़ी तहसील के खतीबपुर की एमबीबीएस छात्रा रेनू यादव के घर पहुंचते ही परिवार में खुशियां छा गई। पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने भी पहुंचकर रेनू को बधाई दी। पूर्व प्रधान राजेश यादव और भाई सत्यशील यादव ने रेनू को मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी।रेनू ने बताया कि 28 फरवरी को निजी बस से 125 डालर किराया देकर हम लोग रोमानिया बार्डर के लिए रवाना हुए थे। 25 किलोमीटर पहले ही बस ने हम लोगों को छोड़ दिया, जिसके चलते 25 किलोमीटर पैदल सफर करना पड़ा। रोमानिया के बुद्धा एयरवेज से एक मार्च को दिल्ली पहुंच गई, जहां उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से निःशुल्क भोजन-पानी की व्यवस्था की गई थी। प्रदेश सरकार ने हम लोगों को बनारस तक का फ्री हवाई जहाज का टिकट दिया। मंगलवार की रात नौ बजे बनारस पहुंच गई और उसके बाद भाई के साथ घर आ गई। रेनू के अनुसार युद्ध के चलते यूक्रेन की हालत बहुत ही खराब है। मैं तो ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि मेरे देश के जितने भी लोग वहां फंसे हैं, वह सब कुशलता से भारत लौट आएं। रेनू के भाई सत्यशील यादव, बाबा रामस्वरूप यादव, पिता नरेंद्र यादव, माता मीरा यादव, चाची गीता यादव, बहन समीक्षा यादव व पड़ोसी सुरेंद्र यादव ने उसकी सकुशल वापसी पर संतोष जताया है।

मुंबई पहुंचे बैंगेश्वर देवगांव यूक्रेन से निकलकर तीन दिन पहले रोमानिया पहुंचे बैंगेश्वर सिंह के परिवार वालों को बुधवार को सुखद संदेश मिला। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के चेवार पश्चिम गांव निवासी बैंगेश्वर के पिता अरविद सिंह ने बताया कि सुबह बात हुई तो बेटे ने 11 बजे दिन में फ्लाइट मिलने की जानकारी दी।दोपहर में बात हुई तो बताया कि जहाज ने उड़ान भर दी है। रात आठ बजे मुंबई पहुंचा देगी।बैंगेश्वर वहां रहने वाले अपने बड़े पिता राम शरण सिंह यहां कुछ दिन रुकेंगे। वहां से रेल का कंफर्म टिकट मिलने पर घर आएंगे।

छेड़खानी के विरोध में हुई हत्या में लापरवाही पर थाना प्रभारी व दारोगा निलंबित

शादियाबाद(गाजीपुर)। पिछले दिनों भदौरा गांव में परिवार की लड़की से छेड़छाड़ का विरोध करने पर किसान की हत्या के मामले में

लापरवाही सामने आने के बाद मंगलवार की रात शादियाबाद थाना प्रभारी राजेश कुमार मौर्या व उपनिरीक्षक यज्ञ नारायण यादव को निलंबित कर दिया गया। पहली बार थाने की कमान महिला थाना प्रभारी तारावती यादव को सौंपी गई है। बीते 22 फरवरी को थाना क्षेत्र के भदौरा उर्फ धिनहा गांव में छेड़खानी के विवाद को लेकर कैलाश यादव की लाठी डंडे से पीटकर उस समय जब हत्या कर दी गई थी, जब वह अपने एक साथी के साथ खेत से लौट रहे थे। घटना के बाद स्वजन ने थाना प्रभारी राजेश कुमार मौर्या व उप निरीक्षक यज्ञ नारायण यादव पर लापरवाही का आरोप लगाकर मार्ग जाम कर दिया था। स्वजन का कहना था कि पड़ोसी दबंग का भाई उनके परिवार की लड़की को स्कूल आते-जाते छेड़छाड़ करता है। स्वजन ने इसकी शिकायत पुलिस से की, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित पक्ष को ही समझौता कराने का दबाव बनाने के लिए पूरे दिन थाने में बैठा दिया था। इसके बाद दबंग ने अपने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह के सामने स्वजन ने आरोप लगाया था कि कई बार तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस की लापरवाही से कैलाश यादव की जान गई। एसपी ने चुनाव आयोग से अनुमति के बाद थाना प्रभारी व उपनिरीक्षक पर कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम समाप्त कराया था। मंगलवार की रात्रि एसपी ने दोनों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की। साथ ही शादियाबाद थाने की कमान महिला थाना प्रभारी तारावती यादव को सौंपी है। हमसाज पुलिस हत्यारोपितों को अभी तक पकड़ नहीं पाई कैलाश यादव के भतीजे संतोष यादव की तहरीर पर पुलिस ने हंसनाथ यादव, अमरनाथ यादव, धर्मराज यादव, प्रताप यादव व श्यामकुमार के खिलाफ नामजद दर्ज रिपोर्ट दर्ज कराई थी। घटना को हुए दस रोज बीत गए, लेकिन थानाध्यक्ष व दारोगा ने आरोपितों को नहीं पकड़ा। स्वजन का आरोप था कि दोनों आरोपितों से हमसाज हैं। शायद यहीं वजह है कि आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं की गई।

संचारी रोगों से मुक्त करने के अभियान में फ्रंट वर्कर पूरी जिम्मेदारी से निभाएं

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। विकाश खंड के हरहुआ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर गैर संचारी रोगों से बचाव जागरूकता का अभियान चलाया

गया। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आर0के0 सिंह ने बताया कि ब्लॉक हरहुआ में गैर संचारी रोगों से बचाव हेतु मधुमेह, कैंसर ,उच्च रक्तचाप के रोगियों को फ्रंट वर्कर आशा,एएनएम अन्य के माध्यम से चिन्हित करके उनको उचित चिकित्सा सलाह देना है। जो पुराने रोगी हैं उनको सही समय पर स्क्रीनिंग करके चिकित्सीय सलाह देना है ताकि बढ़ते गैर संचारी रोगों पर काबू पाया जा सके। इन बीमारियों को खत्म किया जा सके। इनका मुख्य कारण खानपान और लाइफस्टाइल में बदलाव आने का कारण है। फ्रंट लाइन वर्कर अन्य कर्मियों के संग समनवयन कर जिम्मेदारी के साथ सेवा भाव से जुटें। किसी भी मरीज के साथ नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। अभियान में डॉ0 राजकुमार,डॉ0 ए सी मौर्या डॉ0 मनोज चतुर्वेदी व श्रीनाथ यादव इत्यादि लोग रहे।

यूपी की देवरिया मे हृदय विदारक घटना

सपा समर्थक की बीवी ने बीजेपी को वोट देकर घर आई तो बेरहम पति ने धारदार हथियार से मौत के घाट उतारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया।उत्तर-प्रदेश मे गुरुवार को हुए छठे चरण के मतदान के दौरान पड़ोस के देवरिया जिले मे एक बहुत ही दुःखद और हृदय विदारक घटना घटित हुई है,जहा

एक सपा समर्थक की बीवी ने बीजेपी को वोट देकर घर आई तो बेरहम पति ने धारदार हथियार से मौत के घाट उतारा दिया।इस दौरान कातिल बेरहम पति मृतका को कमरे मे बन्द कर फरार हो गया। मासूम बच्चे के रोने की आवाज सुनाई आसपास के लोग जुट गए और इस घटना की सूचना पुलिस को दी।पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान पुलिस ने ससुर समेत अन्य को हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले की 341 विधान सभा सलेमपुर के ग्राम धनौती राय में एक यादव परिवार की महिला ने भारतीय जनता पार्टी को वोट दे दी।इसकी वजह से उसके पति ने अपनी पत्नी का गला काट कर हत्या कर दी पुलिस ने कई लोग को को गिरफ्तार कर थाने ले गई। प्रत्यक्षदर्शियो के अनुसार उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के धनौती राय गांव में वोट देकर आई पत्नी से भाजपा को वोट करने से बेहद नाराज होकर आरोपी अपनी आपा खो बैठा और इस बात को लेकर दोनो मे विवाद होने लगी जिससे नाराज पति ने धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर फरार हो गया। पुलिस ने ससुर समेत अन्य को हिरासत में लिया है। यह है पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के बरसीपार बाजपेयी टोला के रहने वाले गुलाब यादव की 30 वर्षीय पुत्री शांती देवी की शादी छह साल पूर्व धनौती राय गांव के जयगोविंद यादव पुत्र उमा लाल यादव से हुई थी। शादी के बाद पति पत्नी के बीच किसी बात को लेकर आए दिन विवाद होता रहता था। गुरुवार को जय गोविंद कहीं गया था। उसी बीच शांति अपने सास के साथ वोट डालने के लिए प्राथमिक विद्यालय पर बने बूथ पर चली गई। वोट देकर घर पहुंचते ही हुआ विवाद वोट देकर जब वह घर लौटीं तो उसी वक्त उसका पति जयगोविंद आ गया। कमरे में जाकर पत्नी को पहले मारा पीटा। उसके बाद अपने चार साल के पुत्र जयबीर व दो साल की बेटी परी को पड़ोस के घर भेज दिया। इसके बाद पत्नी कमरे में जाकर धारदार हथियार से गलाकाट कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद कमरे को बाहर से बंद कर वहां से भाग गया। कुछ देर बाद बच्चे आए तो मां को खोजने लगे। नहीं मिली तो बच्चे रोने लगे। इसके बाद आसपास के लोग जुट गए। कमरे को खोलने पर खून से लथपथ शांति का शव पड़ा था। इसकी सूचना कोतवाली पुलिस व 112 नंबर पुलिस को दी। जांच में जुटी पुलिस पुलिस आरोपित युवक के पिता उमालाल को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस मामले में मृतका के पिता गुलाब यादव ने पति जयगोविंद, ससुर उमालाल यादव व सास जगपाती देवी के विरुद्ध दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार मिश्र ने कहा कि पति व पत्नीके बीच पारिवारिक विवाद था। वोट देकर महिला घर पहुंची थी। तभी पति ने हत्या कर दी। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

गाजीपुर में गृहमंत्री अमित शाह की तीन जनसभा, विपक्ष पर परिवारवाद का लगाया आरोप

गाजीपुर। जिले में गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को जंगीपुर, जखनियां और सैदपुर विधानसभा में भाजपा व गठबंधन उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा को संबोधित

कर रहे हैं। सबसे पहले दोपहर एक बजे से भाजपा प्रत्याशी रामराज वनवासी के समर्थन में जनसभा करने पहुंचे। यहां से वह जंगीपुर विधानसभा के भड़सर स्थित मैदान पर पहुंचे और रामनरेश कुशवाहा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद दोपहर तीन बजे सैदपुर नगर स्थित टाउन नेशनल इंटर कालेज में पहुंचेंगे और भाजपा निषाद गठबंधन के प्रत्याशी सुभाष पासी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं सबसे पहले गृहमंत्री जखनिया में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर वार किया। कहा कि अखिलेश के चश्मे से उन्हें सिर्फ जाति और धर्म ही दिखाई पड़ते हैं। एक लेंस से एक धर्म विशेष दिखाई पड़ता है, जिसमें आप और हम नहीं है। दूसरे लेंस से उन्हें एक जाति दिखाई पड़ती है, उसमें भी हम नहीं दिखाई पड़ते। सबका साथ-सबका विकास सिर्फ भाजपा कर सकती है। यूपी के करीब 82 लाख गरीबों को घर देने का काम भाजपा सरकार ने किया है। 2.54 करोड़ किसानों को पीएम किसान योजना के तहत हर साल 6,000 रुपये उनके बैंक खाते में दिए गए हैं। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद किसी किसान को बिजली का बिल नहीं देना होगा। योगी की सरकार ने उत्तर प्रदेश से एक-एक अपराधी को चुन-चुनकर जेल में डालने का काम किया है। यूपी को माफियाओं से मुक्त कराने का काम भाजपा सरकार ने किया है। 2,000 करोड़ की भूमि को माफियाओं के कब्जे से छुड़ाकर वहां गरीबों के आवास भाजपा सरकार ने बनवाए हैं। गाजीपुर के जंगीपुर में जनसभा को गृहमंत्री ने संबोधित किया। कहा कि उत्तर प्रदेश में 6 चरणों के चुनाव हो चुके हैं। इन चुनावों में निश्चित हो चुका है कि उत्तर प्रदेश में सपा, बसपा का सूपड़ा साफ हो गया है। उत्तर प्रदेश में फिर से एक बार 300 पार वाली भाजपा सरकार बनने जा रही है। उत्तर प्रदेश में पहले गरीबों के घर में बिजली नहीं आती थी। योगी की सरकार ने उत्तर प्रदेश में 18 से 24 घंटे तक बिजली पहुंचाने का काम किया है। गरीबों के घर में आज बिजली पहुंच रही है। भाजपा की सरकार गरीबों की, पिछड़ों की, दलितों की सरकार है।

एक लाख का इनामिया शातिर अपराधी सतीश सिंह प्रिंस मुठभेड़ में ढेर

जौनपुर। सरपतहां थाना क्षेत्र के गैरवाह गांव में शुक्रवार की दोपहर मुठभेड़ में एक लाख रुपये

के इनामिया शातिर अपराधी सतीश सिंह प्रिंस को पुलिस ने ढेर कर दिया। दो सिपाही भी जख्मी हो गए। सरपतहां थाना पुलिस व एसओजी को मुखबिर से सूचना मिली कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के मनिया गांव निवासी शातिर अपराधी सतीश कुमार सिंह प्रिंस मौजूद है। सूचना पर सीमावर्ती जिले सुल्तानपुर की भी पुलिस आ गई। घेराबंदी कर आत्मसमर्पण के लिए कहे जाने पर सतीश सिंह प्रिंस पुलिस टीम को लक्ष्य कर गोलियां चलाने लगा। दो सिपाही घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाई। सतीश सिंह प्रिंस गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। करीब आधे घंटे तक मुठभेड़ के दौरान पुलिस के आला अधिकारियों के वाहन पुल पर मौजूद रहे। मुठभेड़ स्थल से करीब पांच सौ मीटर हर किसी को रोक दिया जा रहा था। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार साहनी, सीओ शाहगंज अंकित कुमार भी मौके पर आ गए। जिला मुख्यालय से फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस घायल अपराधी व सिपाहियों को अलग-अलग वाहनों से उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गई। जिला अस्पताल में सतीश सिंह प्रिंस को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मालूम हो कि सतीश सिंह प्रिंस 31 मई 2019 को सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में सिद्दीकपुर स्थित मां दुर्गाजी सीनियर सेकेंड्री स्कूल के पास सपा नेता लालजी यादव व 16 फरवरी 2021 को सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के ही मखमेलपुर गांव के पूर्व प्रधान राज कुमार यादव की हत्या के मामले में वांछित था। उस पर पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रोड शो पहुंचा मैदागिन, गुलाब की पंखुडियों से स्वागत

वाराणसी। काशी के सांसद और पीएम नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को वाराणसी में मीरजापुर से रोड शो करने पहुंचे तो जगह जगह काफिले के रास्ते में उनका स्वागत काशीवासियों ने किया है। पीएम का काफिला जहां से भी निकला वहां से फूल मालाओं के साथ लोग उनका इंतजार करते मिले। कई जगहों पर होली के गुलाल की

फुहारें भी उत्साहित लोगों ने उड़ाकर रोड शो का स्वागत किया शाम साढ़े पांच बजे के करीब पीएम नरेन्द्र मोदी का काफिला मैदागिन के करीब पहुंचा तो सड़क के दोनों ओर से उनपर गुलाब की पंखुडियों की उसाहित लोगों ने बौछार कर दी। मलदहिया से लहुराबीर, पिपलानी कटरा होते हुए शाम पांच बजे रोड शो कबीरचौरा पहुंच गया। इसके आगे मैदागिन, बुलानाला और नीचीबाग होते हुए ज्ञानवापी विश्वनाथ कारिडोर पहुंचेगा। वहीं पांच बजे के बाद जब रामकटोरा चौराहा पीएम का रोड शो पहुंचा तो रामकटोरा चौराहा पर खड़े बटुक पीएम के स्वागत में मंत्रोच्चार करते नजर आए। वहीं इसके आगे रोड शो सरोजा पैलेस पहुंचा तो सांस्कृतिक गीत से प्रधानमंत्री का स्वागत करते गीतकार केडी दूबे और गायक डॉ. अमलेश शुक्ल नजर आए। आंकड़ों में भी पीएम का यह रोड शो अपने आप में अनोखा है। दरअसल पांच वर्ष पूर्व आज के ही दिन 4 मार्च 2017 को पीएम नरेन्द्र मोदी ने गोदौलिया से सोनारपुरा होते हुए लंका तक रोड शो किया था। अब पांच साल के बाद दोबारा पीएम के आने और उनके रोड शो करने का मौका है। वाराणसी में सातवें और अंतिम दौर में मतदान होना है, जबकि शनिवार शाम छह बजे के बाद चुनाव प्रचार थम जाएगा। लिहाजा वाराणसी के आठ विधानसभा सीटों क्रमशः वाराणसी कैंट, वाराणसी दक्षिणी, वाराणसी उत्तरी, अजगरा, शिवपुर, रोहनिया, पिंड्रा और सेवापुरी में अंतिम दौर में पीएम का रोड शो भाजपा के पक्ष में चुनावी माहौल बना रहा है। पार्टी की ओर से इन विधानसभा सीटों के पदाधिकारी भी रोड शो को भव्य बनाने में जुटे रहे। पीएम का काफिला मलदहिया से शुरू हुआ तो सड़क के दोनों ओर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के अलावा आम जनता भी उमड़ पड़ी। पीएम का काफिला म्लदहिया से बाबा दरबार की ओर रवाना हुआ तो गुलाब की पंखुड़ियों बरसाकर उनका स्वागत किया गया। गानों और नारों से सड़क का हर छोर भगवामय नजर आया। वहीं सत्कार से आदित पीएम नरेन्द्र मोदी भी रास्ते भर हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन करते रहे। बाबा दरबार की ओर मलदहिया से रवाना पीएम का काफिला काशी अनाथालय क्षेत्र में पहुंचा तो रोड शो में अमूल प्लांट को भी शामिल किया गया। रास्ते भर काशी के विकास की तस्वीरें झांकियों के जरिए नजर आती रहीं। वहीं रोड शो शुरू होने से पहले पीएम नरेन्द्र मोदी ने मलदहिया चौराहे पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उनको नमन करने के बाद वाहन में सवार होने के बाद उनका काफिला आगे बढ़ चला। वहीं रास्ते भर भाजपा के समर्थन में प्रचार और स्पीकर बजते रहे। रोड शो में शामिल एक व्यक्ति ने बताया कि मैं उनके यहां आने से बहुत खुश हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के पूरे इतिहास को बदल दिया है। उनके जैसा प्रधानमंत्री कोई दूसरा नहीं हो सकता है। सातवें चरण के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लगभग तीन किलोमीटर का रोड शो शुरू होने के साथ ही कार्यकर्ताओं में उत्साह शुरू हो गया। लहुराबीर से मैदागिन होते हुए श्रीकाशी विश्वनाथ धाम तक लगभग तीन किलोमीटर के इस मेगा शो के लिए भाजपा ने पूरी तैयारी कर रखी थी। रोड शो रूट पर अलग- अलग स्थानों पर 31 चौकियां लगाई गई हैं। इसमें होली की हुड़दंग, बुलडोजर बाबा समेत झांकियां सजाई गई हैं। ऐसे ही शंखनाद, हस्तशिल्प, शहनाई जुगलबंदी, किसान व आवास योजना, राम दरबार, गंगा आरती, वैक्सीनेशन आदि पर भी झांकियां सजी हुई हैं।

पिंडरा पहुंचे राहुल गांधी ने कहा डबल इंजन का मतलब अदाणी और अंबानी

वाराणसी। बाबा दरबार में हाजिरी लगाने के बाद राहुल और प्रियंका गांधी शुक्रवार की दोपहर फूलपुर पिंडरा स्थित मिडिल स्कूल के मैदान में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार अजय राय के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। विराट जनसभा कार्यक्रम

को संबोधित करने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी मंच पर पहुंचे तो पूरा मैदान नारों से गूंज उठा। मंच से राहुल ने सभा को संबोधित किया तो केंद्र और राज्य सरकार पर जमकर बरसे। जहां डबल इंजन सरकार का अर्थ उन्होंने अदाणी और अंबानी बताया तो वहीं 15 लाख रुपयों को लेकर भी पीएम को घेरा। राहुल गांधी ने कहा कि हिंदू धर्म में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि देश की जनता के सामने जाकर लाखों करोड़ों लोगों के सामने झूठ बोलो। मैंने रामायण और महाभारत भी पढ़ी है। यह कहीं नहीं पढ़ा कि काशी में शिव के धाम में आकर झूठ बोलो। किसी भी धर्म में यह नहीं सुना कि झूठ बोलो। यहां सिर्फ धर्म के नाम पर नहीं बल्कि झूठ के नाम पर वोट लिया जा रहा है। मैं मर जाऊंगा लेकिन इस मंच से कभी नहीं कहूंगा कि आपके अकाउंट में 15 लाख दूंगा। मैं आपकी इतनी इज्जत करता हूं कि कभी झूठ नहीं बोल सकता। मोदी जी डबल इंजन का अर्थ केंद्रा और राज?य सरकार बताते हैं। लेकिन, इसका मतलब उद्योगपति अदाणी और अंबानी ही असल में हैं। पीएम पर कुर्सी बचाने के लिए असत्य की रक्षा करने का आरोप लगाया। कहा कि यूक्रेन में देश के हजारों युवा फंसे हैं और वहां हमला हो रहा है। छात्र वीडियो बना कर कहते हैं कि हमें बचाइए। यहां पीएम के लोग कहते हैं कि यह लोग देश में फेल हो गए थे, इसलिए वहां डाक्टरी करने गए। पूछता हूं कि क्या वे भारत के नागरिक नहीं हैं क्या उन सभी की रक्षा का दायित?व आपका नहीं है। प्रियंका ने कहा कि अजय राय ने आपके लिए खूब काम किया है, उनको जिताइए। ताकि आपके क्षेत्र में विकास होगा। आपसे आग्रह है कि आप नेताओं को राजनीतिक दलों को पहचानें और उनकी नीति नीयत को पहचानें कि आपके लिए क्या किया और क्या करने जा रहे है। मेरी यूपी की जनता से शिकायत है कि नेताओं को जवाबदेह नहीं बनाते। धर्म और जाति के आधार पर वोट मांगने वालों को पहचानने की जरूरत है। वह आपकी समस्याओं का हल निकलना चाहिए। सबसे बड़ा धर्म नेता का सेवा है। जो आपके सामने सच्चाई पेश करता हो उसका साथ दें।

वाराणसी में शनिवार शाम छह बजे थमेगा चुनाव प्रचार, सात मार्च को सुबह सात बजे से मतदान

वाराणसी । जिला निर्वाचन अधिकारी कौशल राज शर्मा ने एक बार फिर सभी पार्टियों को सचेत किया है कि पांच मार्च को शाम छह बजे के बाद रैली, जनसभा, रोड शो बन्द करा दिया जाएगा। निर्वाचन क्षेत्र के बाहर से आए है और जो निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता नही है, उन्हें निर्वाचन क्षेत्र में मौजूद नहीं रह सकते। ऐसे पदाधिकारी प्रचार अवधि समाप्त होने के तुरंत बाद निर्वाचन क्षेत्र छोड़ दें। यह

इस अवधि के बाद रैली व जनसभा की इजाजत नहीं होगी। सातवें चरण के मतदान के लिए पोलिंग पाटिय्यां सुबह नौ बजे से रवाना होंगी मतदान सात मार्च को सुबह सात बजे से शुरू होगा। जिले के 1248 मतदान केन्द्रों के 3371 मतदेय स्थलों पर वोटिंग होगी। मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। अधिक संख्या में वोटिंग कर काशी से एक अच्छा सन्देश दें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान समाप्त होने की अवधि के 48 घण्टा पहले बाहरी जिले को छोड़ दें वरना करवाई की जद में होंगे। राजनीतिक पदाधिकारी जो आदेश अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता के मामले में लागू नही होगा। भले ही वे निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता न हों। बताया कि मतदान के दिन मतदान केन्द्र के एक सौ मीटर की दूरी के भीतर वोटो के प्रचार करना निषिद्ध होगा। निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी पोलिंग एजेन्ट नियुक्त कर सकते है, यदि निर्वाचन लड़ने वाले किसी उम्मीदवार को उस मतदेय स्थल या पड़ोसी मतदेय स्थल का पोलिंग एजेन्ट नही मिलता है, तो वह उस विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के किसी मतदाता को पोलिंग एजेन्ट नियुक्त कर सकता है।

बुद्ध के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प

सोनभद्र। मंगलवार को सदर ब्लाक के चिरहुली गांव में गौतम बुद्ध महोत्सव व मेला का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने विश्व शांति व अमन-चैन के लिए भगवान बुद्ध के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव सुषमा मौर्य ने कहा कि आज देश आतंकवाद जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। लोग एक दूसरे को नीचा दिखाने में परेशान हैं। कोई किसी पर भरोसा करने को तैयार नहीं। लोग अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन जब इस देश मे भगवान बुद्ध के विचारों से परिपूर्ण राजा सम्राट अशोक का राज था तो किसी के घरों में ताले नही लगते थे। देश मे अमन चैन कायम रहा। लोगो के अंदर जिओ और जीने दो की भावना रही, जिससे देश धनधान्य से परिपूर्ण रहा। इसलिए यदि सम्राट अशोक का भारत पुनः स्थापित करना है तो देशवासियों को भगवान बुद्ध की विचारधारा को आत्मसात करना होगा। विशिष्ट अतिथि डा. भगीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि देश कानून से चलता है। आज मजदूर, गरीब किसान का भी बेटा प्रधान से प्रधानमंत्री बनने की क्षमता रखता है। संविधान को बदलने की कोशिश करने वालो को सबक सिखाना होगा, जिसके लिए बुद्ध के अनुयायियों को आगे आना होगा। अध्यक्षता बुद्ध आंबेडकर विचारोत्थान सेवा समिति के अध्यक्ष मंगला प्रसाद मौर्य ने की। इस मौके पर राज्यमंत्री संजीव कुमार गोड, सुनील गोड़, रामराज गोड़, संकठा प्रसाद, मनोज कुमार, अनिल सिंह, जय प्रकाश, संत कुमार, शिवमूरत बौद्ध, संजय मौर्य, अरविंद गुप्ता, रामचंद्र कोल, प्रदीप, रमेश, सुरेश सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रियंका के मनसूबे पर पानी फेरते नजर आए कार्यकर्ता जानवर कि तरह आदिवासी को दिया गया लन्च पैकट

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। एक तरफ जहां प्रियंका गांधी जाती पाती को लेकर विरोधी पार्टी पर हमला बोल रही थी वहीं दूसरी तरफ आज करने को कहा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हजारों की संख्या में ग्रामीण दुरूह क्षेत्र से लोगों को लाया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कांग्रेस के तरफ से लोगों को लंच पैकेट फेकर वितरण किया

विधानसभा ओबरा में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी का आगमन हुआ जहाँ पर उन्होंने अपने समर्थित प्रत्याशी राम राज गोड़ के पक्ष में लोगों से मतदान गया। इस दौरान लच पैकेट लेने के लिए लूट मची रही। कार्यकर्ताओं द्वारा आदिवासियों को जो लंच पैकेट दिया जारहा था अमानवीय व्यवहार से दिया जारहा था।

दहेज हत्या: दोषी पति-सास को १०-१० वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए आकांक्षा हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नम्बर-3 सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति विक्रम सिंह व सास किरण सिंह को 10-10 वर्ष की कैद एवं 15-15 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक वाराणसी जिले के लंका थाना क्षेत्र के शिवजी नगर कालोनी छितुपुर निवासी चन्द्रहास सिंह पुत्र स्व. रामयश सिंह ने 30 सितंबर 2018 को राबर्ट्सगंज कोतवाली में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी बेटी आकांक्षा सिंह की शादी 5 दिसंबर 2015 को जौनपुर जिला के शाहगंज थाना क्षेत्र के छताईपुर गांव निवासी विक्रम सिंह पुत्र स्व. चंद्रप्रताप सिंह के साथ हिन्दू रीति-रिवाज से हुई थी। दूसरे दिन 6 दिसंबर 2015 को विदा होकर अपनी ससुराल गई। जहां पर दहेज में 15 लाख रुपये की मांग को लेकर बेटी को पति, सास समेत अन्य लोग प्रताड़ित करने लगे। जब बेटी ने बताया तो समझाने का बहुत प्रयास किया गया, लेकिन ससुराल वाले नहीं माने। बल्कि बेटी को खाना भी नहीं देते थे और दामाद द्वारा यह भी धमकी दी गई थी की हत्या करके दूसरी शादी कर लेंगे। इसीबीच सूचना मिली कि बेटी आकांक्षा की हत्या कर दी गई है। जिससे पूर्ण विश्वास है कि पति, सास व अन्य लोगों ने बेटी की हत्या की है। इस तहरीर पर राबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने विक्रम सिंह एवं किरण सिंह के विरुद्ध दहेज हत्या की एफआईआर दर्ज किया था। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में पति व सास के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति विक्रम सिंह व सास किरण सिंह को 10-10 वर्ष की कैद एवं 15-15 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील विनोद पाठक ने बहस की।

वालीबाल प्रतियोगिता में मुख्यालय बना विजेता

अनपरा (सोनभद्र)। एनसीएल मुख्यालय स्थित ग्राउंड में बुधवार को तीन दिवसीय अंतरक्षेत्रीय वालीबाल प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में एनसीएल की सभी परियोजनाओं की 10 टीमों के बीच कुल 11 मैच खेले गए फाइनल मुकाबला एनसीएल मुख्यालय व निगाही के बीच हुआ। मुख्यालय की टीम ने 3-1 से खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि एनसीएल के निदेशक (वित्त एवं कार्मिक) राम नारायण दुबे ने विजेता एवं उपविजेता टीम का उत्साहवर्धन किया। कहा कि कंपनी खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह तत्पर है। सभी परियोजनाओं में खेल संबंधी बेहतरीन आधारभूत ढांचा तैयार किया है। एनसीएल के खिलाड़ी उत्पादन, उत्पादकता व अन्य मानकों के अनुरूप ही खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे। कंपनी इस दिशा में हर संभव सहयोग देगी। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यालय के पंकज बैस को बेस्ट स्मैशर एवं राजेंद्र बैस को बेस्ट सेंटर के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक रमेश सिंह, जेसीसी सदस्य पीके सिंह, अजय कुमार, बीएस बिष्ट, अशोक कुमार पांडेय एवं एनसीएल खेल प्रमोशन बोर्ड के सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

195 विद्यालयों ने वेबसाइट पर अपलोड की आधारभूत सूचनाएं

सोनभद्र। यूपी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। पूर्व में बोर्ड ने परीक्षा केंद्रों व कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी के लिए कालेजों से आनलाइन आधारभूत सूचनाएं मांगी थी लेकिन तमाम विद्यालयों की ओर से यह सूचना नहीं दी गई। पहले 20 फरवरी तक सूचनाएं देनी थी लेकिन सूचनाएं न देने वाले विद्यालयों को नोटिस जारी की गई। हालांकि बाद में यह तिथि बढ़कर 25 फरवरी हो गई थी। अब सभी 195 विद्यालयों ने आधारभूत सूचनाएं बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। बोर्ड परीक्षा की तिथि घोषित करने के साथ ही कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी स्थल भी तय करेगा। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने बताया कि इस बार 77 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी परीक्षा केंद्रों में सभी कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और अन्य आधारभूत सुविधाएं भी हैं। पूर्व में 76 परीक्षा केंद्र ही बने थे, लेकिन जांच में कुछ केंद्रों पर सुविधाएं मुकम्मल नहीं थीं। ऐसे 8 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र की सूची से बाहर कर दिया गया था। उनके स्थान पर नए विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। डीआइओएस ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट पर सभी सूचनाएं अपलोड हो गई हैं। अब बोर्ड ही कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी आनलाइन लगाएगा। तभी पता चल पाएगा का किस शिक्षक की ड्यूटी कक्ष निरीक्षक के तौर पर कहां लगी है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक केंद्र व्यवस्थापक व एक अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक की भी तैनाती की जाएगी। सेक्टर मजिस्ट्रेट आदि भी तय किये जाएंगे। इसको लेकर तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए अवश्य करें मतदान

डाला (सोनभद्र)। पहले मतदान फिर जलपान के नारो संग गुरुवार को स्थानीय बाजार में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली पूरे नगर में भ्रमण की। जागरूकता रैली के दौरान डाला चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने मताधिकार का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। यह सुनहरा अवसर पांच वर्ष में एक बार आता है। जनता का जनता द्वारा चुनाव को लोकतांत्रिक प्रणाली कहा जाता है। जिसमें हर मतदाता को निर्भीक-निडर होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी प्रलोभन के बिना प्रभावित हुए मतदान करना चाहिए। लोकतंत्र की शक्ति व मजबूती निर्वाचन से ऊर्जा के रूप में मिलती हैं। इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन, उत्तम मिश्रा, इंदू शर्मा, संतोष अग्रहरी, राजेश कुमार, मदन सिंह, भैरव प्रसाद, हनुमान सिंह, अवनीश पांडेय, छात्र नेता अनिकेत श्रीवास्तव, अमृत लाल अंशु, परमेंद्र राय, रविकांत यादव, दीपक वर्मा, अशोक बिद आदि मौजूद रहे। उधर जायसवाल यूथ क्लब की बैठक राब?ट्र्सगंज में गुरुवार को हुई। इसमें अध्यक्ष राजेश जायसवाल ने कहा कि जायसवाल

समाज व जनपद वासियों को आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत मिलकर बढ़ाया जाए और सही प्रत्याशी का चयन करना चाहिए जिससे लोकतंत्र व देश मजबूत हो। बैठक में संदीप जायसवाल, रवि जायसवाल, आकाश जायसवाल, सचिन जायसवाल, रमन जायसवाल, रोहित जायसवाल, चंदन जायसवाल समेत अन्य मौजूद रहे। बैठक का आयोजन संरक्षक दीपचंद्र जायसवाल के नेतृत्व में किया गया।

यूक्रेन से सुरक्षित लौटे चिकित्सक, सरकार को सराहा

दुद्धी (सोनभद्र)। यूक्रेन में फंसे चिकित्सक डॉ. शाह आलम गुरुवार को भारत सरकार के आपरेशन गंगा के तहत सुरक्षित अपने घर वाराणसी लौट आए। एक सप्ताह से परेशान उनके रोते बिलखते परिवार वालों ने उनका गर्मजोशी से इस्तकबाल किया। डा. शाह आलम सोनभद्र के दुद्धी तहसील क्षेत्र के कटौती प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात हैं। डा. आलम ने भारत सरकार के आपरेशन गंगा की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को थैंक यू कहा। उनके साथ भारतीय छात्रों का एक जत्था (150 छात्र) दल भी सुरक्षित मुंबई एयरपोर्ट पर सुबह लैंड किया। दुद्धी क्षेत्र के कटौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डा. शाह आलम ने बताया कि वे वह अपनी बेटी को यूक्रेन के पड़ोसी देश चेक रिपब्लिक स्थित चार्ट यूनिवर्सिटी ब्राग में एडमिशन कराने पत्नी-बेटी के साथ 23 फरवरी को गए थे। तय कार्यक्रम के तहत 27 फरवरी को उन्हें इंडिया के लिए वहां से उड़ान भरनी थी। इस बीच रूस की तरफ से बमबारी शुरू हो गई तो पत्नी बेटी को ब्राग में ही सुरक्षित छोड़कर वे किसी तरह रोमानिया चले आए। आपरेशन गंगा के जरिए बुधवार को वह भारतीय दल के संपर्क में आए, जहां 150 भारतीय छात्रों के साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिराजे सिंधिया ने सभी बुनियादी सुविधा मुहैया कराते हुए अर्द्धरात्रि विशेष चार्टर विमान से सभी को भारत के

लिए रवाना किया। विमान गुरुवार की सुबह सात बजे छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा मुंबई पर उतरा। वहां से दोपहर बाद वाराणसी के लिए विमान से रवाना होकर शाम 3 बजे बाबतपुर सकुशल पहुंच गए। एयरपोर्ट पर बेसब्री से इंतजार कर रहे स्वजन को देखते ही उनकी आंखे छलक उठीं। भाई, भतीजे, भांजे और खासकर बहनों की भरी हुई आंख से आंख मिलते ही उनके मुंह से शुक्रिया मोदी जी और भारत सरकार के बोल निकल पड़े। वाराणसी के थाना आदमपुर क्षेत्र के पठानी टोला के मूल निवासी स्व. हाजी अब्दुल लतीफ के पुत्र डा. शाह आलम ने बताया कि वर्ष 2002 में क्रीमाया स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी सेंफोरो पोल क्रीम से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर थी। यह जगह उस समय यूक्रेन में है। 2014 के बाद रूस में चली गई। पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने वर्ष 2000 में यूक्रेन के ओडिसा में शादी कर ली थी।

आचार संहिता का अनुपालन न करने वालों पर मुकदमा, कार्रवाई

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन न करने वालों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इस बीच जनपद में 7 मार्च को होने वाले मतदान के मद्देनजर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रशासन की ओर से चुनाव ड्यूटी में लगे कार्मिकों को अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। पोलिंग पार्टियों को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने के लिए प्रशासन ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित कर वाहनों को अधिग्रहित करने का निर्देश दिया था। वाहन उपलब्ध न कराने वालों पर मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई की जाएगी।आचार संहिता का अनुपालन न करने वालों पर मुकदमा, कार्रवाई आचार संहिता का अनुपालन न करने वालों पर मुकदमा, कार्रवाई सोनभद्र विधानसभा चुनाव के तहत मतदान 7 मार्च को है। इसके तहत 2500 छोटे-बड़े वाहन अधिग्रहित किए गए हैं। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन धनवीर यादव व प्रवर्तन पीएस राय ने बताया कि चुनाव के लिए हल्के वाहनों बोलेरो, टैक्सी, स्कापियो, मैजिक आदि को गुरुवार को सुबह आठ बजे कलेक्ट्रेट/पुलिस लाइन में बुलाया गया था। यह वाहन उपलब्ध करा दिए गए हैं। इसी तरह पिकअप, भारी वाहनों, ट्रकों व बसों को 4 मार्च को सुबह आठ बजे राजकीय पालिटेकिन्क कालेज में बुलाया गया है। वाहन स्वामी अधिग्रहित वाहन निर्धारित स्थान कलेक्ट्रेट/पुलिस लाइन एवं राजकीय पालिटेकिन्क कालेज लोढ़ी के प्रांगण में निर्धारित समय पर उपलब्ध कराएं। वाहन निर्धारित समय से उपलब्ध न कराये जाने की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा -167 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ प्रशासन ने बताया कि उक्त धारा के अनुसार वाहन उपलब्ध न कराए जाने की स्थिति में वाहन स्वामी को एक वर्ष का कारावास अथवा अर्थदंड अथवा दोनों दंड से दंडनीय बनाया गया है। समस्त बसों, ट्रकों में जीपीएस लगाया जाना है। इसलिए वाहन निर्धारित समय, स्थान पर अवश्य ही प्राप्त कराएं।सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन पीएस राय की ओर से वाहन स्वामियों से अपील की गई है कि वैधानिक कार्रवाई से बचने के लिए अधिग्रहित की गई वाहनों को समय से निर्धारित स्थान पर उपलब्ध कराएं। चुनाव के लिए अधिगृहित वाहन समय से उपलब्ध न कराने पर संबंधितों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई जाएगी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन पीएस राय की ओर से वाहन स्वामियों से अपील की गई है कि वैधानिक कार्रवाई से बचने के लिए अधिग्रहित की गई वाहनों को समय से निर्धारित स्थान पर उपलब्ध कराएं। चुनाव के लिए अधिगृहित वाहन समय से उपलब्ध न कराने पर संबंधितों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई जाएगी।

अंतिम दिन हुंकार भरेंगे मुख्यमंत्री योगा बघेल व सतीश मिश्र

दुद्धी (सोनभद्र)। विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पांच मार्च को राज्य के अंतिम विधानसभा क्षेत्र (403) में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ सीएम भूपेश बघेल एवं बसपा के वरिष्ठ नेता सतीश मिश्र अपने प्रत्याशी के लिए दुद्धी क्षेत्र में हुंकार भरेंगे। एक साथ दो मुख्यमंत्री समेत तीन महत्वपूर्ण नेताओं की चुनावी जनसभा को सकुशल संपन्न कराने के लिए गुरुवार की शाम जिलाधिकारी टीके शिबु, पुलिस अधीक्षक अमरेंद्र प्रसाद सिंह स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। जिलाधिकारी व एसपी ने भाऊराव देवरस राजकीय पीजी कालेज ग्राउंड में मुख्यमंत्री के लिए निर्माणाधीन हेलीपैड एवं टाउन क्लब मैदान के सभा स्थल का निरीक्षण करते हुए संबंधित अफसरों एवं पार्टी पदाधिकारियों को सुरक्षा मानक का गंभीरता से पालन करने की सख्त हिदायत दी। वहीं राजकीय इंटर कालेज के मैदान में होने वाले बसपा नेता सतीश चंद्र मिश्र के कार्यक्रम के बारे में पूरी जानकारी पार्टी पदाधिकारियों से लेने के बाद उन्हें एवं साथ चल रहे स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को कई दिशा निर्देश भी देते रहे।

कीमती 13 पाइप संग दो आरोपित गिरफ्तार

पटेहरा (मीरजापुर)। मड़िहान क्षेत्र के कोटवा सिरसी मार्ग के पटेहरा स्थित बहुती जंगल के पास जलजीवन मिशन के 13 पाइप लदे ट्रैक्टर ट्राली व ट्रक संग दोनों चालकों को कंपनी के मैनेजर बुधवार की देर रात पकड़ लिया। मौके पर पहुंची पुलिस को आरोपितों संग दोनों वाहन सौंप दिया। पुलिस ने दोनों वाहनों व चोरी के पाइपों को सीज करते आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया। जीवीआर इंजीनियर्स हैदराबाद कंपनी के मैनेजर उत्कल दुबे ने बताया कि कंपनी का पाइप कई दिनों से गायब हो रहे थे। बुधवार की रात मीरजापुर से आते समय पटेहरा कोटवा मार्ग पर ट्रक और ट्रैक्टर पाइप लादते हुए अचानक कुछ लोग दिख गए। यह देख अपनी गाड़ी को रोका तो कई लोग अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग गए, लेकिन द्रय चालक के साथ ट्रक और ट्रैक्टर को साथियों संग पकड़ लिया।

प्रशासनिक न्यायमूर्ति से मिलकर समस्याओं से कराया अवगत

दुद्धी (सोनभद्र)। जनपद दौरे पर गुरुवार को आए प्रशासनिक न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय लखनऊ बेंच से दुद्धी बार के अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव की अगुवाई में चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। उन्हें न्यायालय की समस्याओं से अवगत कराया गया। न्यायालयीय समस्याओं के संदर्भ में मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने न्यायमूर्ति को दिए पत्रक में कहा कि वाह्य न्यायालय दुद्धी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित है। यहां दो न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन एवं अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन की कोर्ट कार्यरत हैं लेकिन लंबे समय से अपर सिविल जज जूनियर डिवीजन की कोर्ट न्यायिक अधिकारी के अभाव में खाली चल रही है। यहां विभिन्न मामलों से संदर्भित पंद्रह हजार से ज्यादा मामले लंबित हैं। सिविल जज जूनियर डिवीजन में पदासीन न्यायाधिकारी का भी दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। ऐसी स्थिति में दोनों कोर्ट के लिए न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति न्यायहित में शीघ्र की जाए। दूसरे क्रम में कहा कि जनपद मुख्यालय से दुद्धी कोर्ट की दूरी 80 किमी है जबकि बीजपुर व बभनी से जिला मुख्यालय की दूरी 150 किमी है। गरीब आदिवासियों को मुकदमों की पैरवी में समय व धन की बर्बादी होती है। इसके मद्देनजर बाह्य न्यायालय दुद्धी में अपर सत्र न्यायाधीश, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट की एक एक अदालत प्रस्तावित है। इन न्यायालयों के संचालन हेतु दो भवन हैं, जिन्हें संचालित करने में सिविल व दुद्धी बार को कोई आपत्ति नहीं है। प्रतिनिधिमंडल ने न्याय व जनहित में प्रस्तावित उपरोक्त न्यायालयों की शीघ्र स्थापना बाह्य न्यायालय दुद्धी में करने की मांग न्यायमूर्ति से की। प्रतिनिधिमंडल में दुद्धी बार के सचिव उमेश चंद, पूर्व अध्यक्ष प्रेमचंद यादव, पूर्व सचिव आनंद कुमार शामिल रहे।

जिला महिला चिकित्सालय में महिला की मौत, स्वजन ने किया हंगामा

मीरजापुर। जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती एक महिला के प्रसव के तीसरे दिन अबूझहाल में गुरुवार की सुबह मौत हो गई। इससे आक्रोशित स्वजन चिकित्सालय में हंगामा शुरू कर दिए। स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा महिला को गलत इंजेक्शन लगाने से मौत होने का आरोप लगाते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। शहर कोतवाल अरविद मिश्रा ने हो हल्ला मचा रहे लोगों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। स्वजन ने कर्मचारियों पर कार्रवाई के लिए कोतवाली में तहरीर दी, लेकिन शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। जिगना थाना क्षेत्र के अरंगी सरपत्ती गांव निवासी शिल्पी (25) पतनि अश्वनी कुमार को प्रसव पीड़ा होने पर एक मार्च को जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। उसी दिन चिकित्सक ने आपरेशन से प्रसव कराया तो महिला को लड़का पैदा हुआ। दो

दिन तक सब कुछ ठीक चला। बुधवार की शाम को एक इंजेक्शन लगाया गया, उसी दौरान उसे घबड़ाहट होने लगी, लेकिन कुछ देर बाद उसको आराम मिल गया। गुरुवार की सुबह एक बार फिर कर्मचारी इंजेक्शन लगाने पहुंची। वार्ड में भर्ती करीब 10 महिलाओं को इंजेक्शन लगाया। इसमें शिल्पी सहित तीन महिलाओं को घबड़ाहट होने लगी। इसकी जानकारी स्वजन को हुई तो इसकी शिकायत डाक्टर से की। जब तक डाक्टर मौके पर पहुंचकर महिला का इलाज करते, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। यह देख स्वजन आपा खो बैठे। स्वजन का कहना रहा कि मना किया जा रहा था कि इंजेक्शन से शिल्पी को दिक्कत को रही है तो फिर उसे क्यों लगाया गया। वे हंगामा करते हुए आरोपित कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग करने लगे। हालांकि उन लोगों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया और शव लेकर अपने गांव अंतिम संस्कार करने के लिए चले गए। इस संबंध में शहर कोतवाल अरविद मिश्रा ने बताया कि लापरवाही से इलाज करने के कारण महिला की मौत होने का आरोप लगाते हुए स्वजन ने तहरीर दी है।

गंगा की गोद से लोगों को मतदान के लिए किया प्रेरित

मीरजापुर। विंध्य नगरी में मां गंगा की गोद से लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। वोट फार वोट से गंगा किनारे गांव में रहने वाले मतदाताओं को जागरूक किया गया। मंडलायुक्त योगेश्वराम मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर बोट फार वोट रवाना किया। आयुक्त ने आगामी सात मार्च को पहले मतदान फिर जलपान का लोगों को संदेश दिया। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके, इसके लिए मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। स्वीप प्रभारी व सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस के निर्देशन में गुरुवार को पक्काघाट मीरजापुर से बरियाघाट मीरजापुर तक बोट फार वोट के तहत नाव रैली निकाली गई। जिससे 07 मार्च 2022 को अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। आयुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने कहा कि मीरजापुर मंडल के तीनों जनपदो में सातवें चरण 07 मार्च 2022 को मतदान होगा। मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम की अपील एवं संदेश के द्वारा जिला प्रशासन निरन्तर प्रयास कर रहा हैं। गंगा में नाव की यात्रा एक प्रतीक है, जिसके माध्यम से जनपद के निवासियों व मतदाताओं से अपील की जा रही

है कि 07 मार्च 2022 को अधिक से अधिक मतदान करें। अपर मुख्य अधिकारी नीतू सिंह सिसौदिया ने मतदान के लिए प्रेरित किया। पोलिंग पार्टियों के रवानगी स्थल तैयारी का डीएम ने लिया जायजा विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के मददेनजर राजकीय पालीटेकिन्क बथुआ पर पोलिग पार्टियों की रवानगी स्थल पर तैयारियों का जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार व उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने जायजा लिया। उन्होंने विधानसभावार पोलिग पार्टियो को दिए जाने वाले मतदान सामग्री कांउटर स्थल, उपस्थिति काउंटर सहित अन्य स्थलों का निरीक्षण किया। कार्मिक के पार्किंग एवं पोलिग पार्टियों की रवानगी के लिए वाहनों के समुचित पार्किंग की व्यवस्था करें।

दो युवकों के खाते से ठग ने निकाले 75 हजार

मीरजापुर। जनपद के दो युवकों से साइबर ठगों ने फोन कर योजना के नाम पर उनके खाते में रुपये भेजने के बहाने उनके मोबाइल पर गए ओटीपी नंबर पूछकर करीब 75 हजार रुपये निकाल लिए। इसकी जानकारी होने पर दोनों पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत कर खाते से निकाले गए रुपये को वापस दिलाने की मांग की। देहात कोतवाली के कुरकुठिया गांव निवासी अखिलेश्वर द्विवेदी ने बताया कि उनकी पतनी दीपाजंली को जिला महिला चिकित्सालय में 12 नवंबर 2021 के दिन लड़का में पैदा हुआ था। जानकारी होने पर क्षेत्रीय आशा ने बताया कि उनके खाते में जननी सुरक्षा योजना के तहत छह हजार रुपये सरकार की तरफ से भेजे जाएंगे, लेकिन अभी तक उनके खाते में कोई रुपये नहीं आए थे। तीन मार्च को आशा उनके घर पहुंची और एक नंबर देकर बताया कि इस नंबर पर बात करने के बाद उनके खाते में रुपये पहुंच जाएंगे। कुछ देर बाद मोबाइल से अखिलेश्वर के मोबाइल पर फोन आया। उसने पूछा कि उनके खाते में रुपये पहुंचे या नहीं। यह सुन अखिलेश्वर ने बताया कि अभी तक नहीं पहुंचे हैं। इसके बाद युवक ने बताया कि उनके खाते में रुपये नहीं जा रहे हैं।

लंच तक भारत का स्कोर दो विकेट खोकर 109 रन, विराट और विहारी क्रीज पर मौजूद

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच मोहाली में खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। खबर लिखे जाने तक भारत ने पहली पारी में लंच तक दो विकेट खोकर 109 रन बना लिए हैं। विराट कोहली 15 रन और हनुमा विहारी 30 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले भारत ने अपना पहला विकेट रोहित शर्मा और दूसरा विकेट मयंक अग्रवाल के रूप में खोया। मयंक ने 33 रन बनाए और उन्हें लसिथ एम्बुलडेनिया ने आउट किया, जबकि रोहित शर्मा ने 29 रन की छोटी से पारी खेली। रोहित को लाहिरु कुमारा ने लकमल के हाथों आउट कराया। रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, हनुमा विहारी, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रिषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, जयंत यादव दिमुथ करुणारतने (कप्तान), लाहिरू थिरिमाने, पथुम निसानका, चरित असलांका, एंजेलो मैथ्यूज, धनंजया डी सिल्वा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), सुरंगा लकमल, विश्व फर्नांडो, लसिथ एम्बुलडेनिया, लाहिरू

कुमारा। पहले टेस्ट के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन में पुजारा की जगह तीसरे नंबर पर हनुमा तो वहीं रहाणे की जगह पांचवें नंबर पर श्रेयस अय्यर को मौका मिला। वहीं इस टीम में तीन स्पिनर और दो तेज गेंदबाज शामिल किए गए। शमी और बुमराह तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे तो वहीं जडेजा, अश्विन व जयंत यादव स्पिन अटैक की जिम्मेदारी निभाएंगे। मोहाली के मैदान पर भारत का टेस्ट क्रिकेट में अब तक का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है खास तौर पर भारत ने साल 2010 के बाद से इस मैदान पर अब तक कोई भी टेस्ट मैच नहीं गंवाया है। वहीं इस मैदान पर भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच साल 1994 में खेला था जिसमें उसे हार मिली थी, लेकिन इसके बाद टीम इंडिया को इस मैदान पर टेस्ट में कभी हार तो नहीं मिली। मोहाली में भारत ने अब तक कुल 13 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें 7 मैचों में उसे जीत मिली है जबकि एक में हार तो वहीं पांच मैच ड्रा रहे हैं। रोहित शर्मा जहां एक तरफ अपना पहला टेस्ट मैच कप्तान के तौर पर खेल रहे हैं तो वहीं भारतीय टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान विराट कोहली अपने टेस्ट करियर का 100वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं। विराट कोहली मैदान पर उतरते ही भारत की तरफ से 100वां टेस्ट मैच खेलने वाले 12वें बल्लेबाज बन जाएंगे। श्रीलंका की बल्लेबाजी कप्तान दिमुथ करुणारतने तथा अनुभवी दिनेश चांदीमल और एंजेलो मैथ्यूज पर निर्भर है। देखना होगा कि शुष्क पिच पर भारतीय स्पिनरों का कैसे सामना करते हैं। हालांकि विकेटकीपर कुशल मेंडिस चोटिल हैं और उनकी जिम्मेदारी डिकवेला संभालेंगे।

100वें टेस्ट में विराट को किया गया विशेष कैप से सम्मानित हेड कोच द्रविड़ ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली। विराट कोहली 100 टेस्ट खेलने वाले भारत के 12वें और वर्ल्ड क्रिकेट के 71वें खिलाड़ी बन गए हैं। इस मौके पर विराट को टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने एक विशेष कैप से

सम्मानित किया। इस खास मौके पर उनकी पतनी और बालीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा भी मौजूद थीं। द्रविड़ ने कहा कि ये उन्होंने कमाया है और वो इसके हकदार है उम्मीद है आने वाले सालों में ऐसी और चीजें देखने को मिलेंगी। इस मौके पर कोहली ने कहा कि आने वाले पीढ़ी उन्हें याद रखेगी कि उन्होंने क्रिकेट के सबसे प्योरेस्ट फार्म में ये मुकाम हासिल किया। भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली टेस्ट में उतरते ही कोहली ने ये लैंडमार्क हासिल कर लिया है। अपनी खुशी जाहिर करते हुए कोहली ने कहा ये मेरे लिए, मेरी पत्नी के लिए और मेरे भाई के लिए खास मौका है। सभी को गर्व है। ये एक टीम गेम है और ये तुम्हारे बिना संभव नहीं हो पाता। बीसीसीआइ को धन्यवाद। वर्तमान में जितनी क्रिकेट तीनों फार्मेट में और आइपीएल में खेलते हैं। अगली पीढ़ी को पता चलेगा कि हमने क्रिकेट के प्योरेस्ट फार्म में 100 टेस्ट मैच खेले। कोहली के पास इस मैच में अपने शतकों के सूखे को खत्म करने का मौका होगा। यदि इस मैच में वो ऐसा कर पाते हैं तो भारत की तरफ से 100वें टेस्ट में ऐसा करने वाले वो पहले भारतीय हो जाएंगे। विराट के बल्ले से आखिरी अंतर्राष्ट्रीय शतक 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ आई थी। कोहली शतक के साथ इस मैच को यादगार बनाना चाहेंगे। कोहली ने अपने इस सफर के बारे में कहा कि उन्हें नहीं लगता था कि वो ये उपलब्धि हासिक कर पाएंगे। आपको बता दें कि कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी बार टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी।

पुजारा और रहाणे को रिप्लेस कर सकते हैं ये खिलाड़ी, पहले टेस्ट के लिए भारत की संभावित प्लेइंग

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच मोहाली में शुक्रवार से खेला जाएगा। ये मैच रोहित शर्मा के लिए बेहद खास है क्योंकि वो कप्तान के तौर पर पहले मैच में देश का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं तो वहीं विराट कोहली के

लिए भी ये मुकाबला खास होगा। विराट कोहली अपने टेस्ट करियर का 100वां टेस्ट मैच खेलने जा रहे हैं। इन सारी खास बातों के बीच जो सबसे अहम है वो ये कि भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करनी है और इसके लिए उसे श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करना जरूरी है। जाहिर है इस मैच में जीत के लिए भारतीय प्लेइंग इलेवन सबसे अहम होने वाला है। मोहाली टेस्ट में चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे नहीं होंगे और सबकी नजर इस बात पर लगी है कि उनकी जगह मध्यक्रम की जिम्मेदारी कौन संभालेगा। वैसे भी पुजारा और रहाणे के फार्म की वजह से उन्हें टीम से बाहर किया गया है और अब सेलेक्टर्स भविष्य की तरफ देख रहे हैं। पुजारा तीसरे नंबर पर खेलते हैं और ये जगह टीम के लिए काफी अहम है और इस जगह पर शुभमन गिल नजर आ सकते हैं तो वहीं रहाणे की जगह लेने वाला जो बल्लेबाज हैं वो श्रेयस अय्यर हो सकते हैं। श्रीलंका के खिलाफ ओपनिंग बल्लेबाज कप्तान रोहित शर्मा के साथ मयंक अग्रवाल कर सकते हैं। विराट कोहली नंबर चार पर होंगे तो वहीं आलराउंडर रवींद्र जडेजा सातवें जबकि आठवें नंबर पर आर अश्विन होंगे। रिषभ पंत की बात करें तो वो बल्लेबाजी के लिए छठे स्थान पर हमेशा की तरह से होंगे।

टेस्ट में विराट कोहली ने पूरी की 'सेंचुरी' ऐसा करने वाले 12वें भारतीय खिलाड़ी बने, जाने पहले टेस्ट से अब तक का सफर

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ मोहाली टेस्ट में उतरते ही विराट कोहली भारत की तरफ से खेलने वाले ऐसे 12वें खिलाड़ी बन गए जिन्होंने 100 या इससे अधिक टेस्ट मैच खेला है। वर्ल्ड क्रिकेट की बात करें तो ये मुकाम हासिल करने वाले वे 71वें खिलाड़ी बन गए हैं। इस मौके पर विराट कोहली को खास तौर पर बनाई गई कैप भेंट की गई। उन्हें यह कैप टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने दी। टी20 के जमाने में क्रिकेट के सभी फार्मेट में खेलने वाले खिलाड़ी के लिए अपने सफर को 100 टेस्ट मैचों तक पहुंचाना कोई खेल नहीं है लेकिन विराट ने इसे अपनी मेहनत और फिटनेस के दमपर कर दिखाया। कोहली 2011 तक वनडे में खुद को एक प्रमुख बल्लेबाज के तौर पर स्थापित कर चुके थे। लेकिन उन्हें टेस्ट मैच में डेब्यू करने का मौका 20 जून 2011 में वेस्टइंडीज दौरे पर मिला। वो भी तब, जब सचिन ने दौरे पर न जाने का फैसला किया। उन्होंने 5वें नंबर पर बल्लेबाजी की और पहली इनिंग में 4 और दूसरी इनिंग में 15 रन बनाए। उन्होंने उस सीरीज में 76 रन बनाए। कोहली ने 2012 आस्ट्रेलिया दौरे पर एडिलेड टेस्ट में अपनी पहली सेंचुरी लगाई। इतना ही नहीं इस सीरीज में भारत की तरफ से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज कोहली ही थे। दिसंबर 2014 में कोहली ने टेस्ट मैच में पहली बार भारत की कप्तानी की और पहली इनिंग में शानदार 115 रन बनाए। इस पारी के साथ वे भारत के चौथे ऐसे कप्तान बने जिन्होंने डेब्यू में शतक लगाया। इसी सीरीज के तीसरे मैच के बाद महेंद्र सिंह धोनी ने टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया और इस तरह चौथे मैच में कोहली एक फुल टाइम टेस्ट कप्तान बन गए। 2016 में कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एंटीगुआ टेस्ट में अपना पहला दोहरा शतक जड़ा। देश से बाहर कप्तान के तौर पर दोहरा शतक लगाने वाले वे पहले भारतीय थे। उसके बाद कोहली ने पहले

न्यूजीलैंड और फिर इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ दोहरे शतक जड़े। लगातार चार टेस्ट सीरीज में दोहरा लगाने वाले वे पहले बल्लेबाज बने। 2016 से 2019 का साल कोहली के लिए सर्वश्रेष्ठ रहा। इस दौरान उन्होंने 43 टेस्ट मैचों में 66.79 की औसत से 4,208 रन बनाए जिसमें 16 शतक और 10 अर्धशतक लगाए। इन चार सालों में एकमात्र बल्लेबाज इंग्लैंड के जो रूट थे जिन्होंने कोहली से ज्यादा रन बनाया। रूट ने 4,242 रन बनाए थे। बार्डर-गावस्कर 2018-19 ट्राफी में भारतीय टीम ने विराट कोहली के नेतृत्व में आस्ट्रेलिया को उनके घर में जाकर 2-1 से हराया और आस्ट्रेलिया में जीत दर्ज करने वाली पहली भारतीय टीम बनी और इतिहास रचा। कप्तान के रूप में कोहली के रिकार्ड की बात करें तो उन्होंने 68 मैचों में कप्तानी की और 40 मैचों में जीत दिलाई जो भारतीय कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा है। कोहली के बल्ले से आखिरी अंतर्राष्ट्रीय शतक 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ आई थी। टेस्ट क्रिकेट की बात करें तो फरवरी 2020 से कोहली ने 28.14 की औसत से बल्लेबाजी की है और 6 अर्धशतक लगाए हैं।

पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के बीच होने वाले पहले टेस्ट मैच को देखना चाहते हैं अपनाएं ये तरीका

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया की टीम 1998 के बाद पहली बार पाकिस्तान के दौरे पर है। इस दौरे

में टीम तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के अलावा तीन वनडे और एक टी20 मैच खेलेगी। सीरीज का पहला टेस्ट मैच शुक्रवार को रावलपिंडी में खेला जाएगा। आस्ट्रेलिया टीम का यह दौरा पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को देखते हुए बेहद अहम है। सुरक्षा कारणों की वजह से कई बड़ी टीमों ने अपना पाकिस्तान का दौरा रद्द कर लिया था। सितंबर में न्यूजीलैंड की टीम मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही असुरक्षा का हवाला देकर लौट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने भी अपने खिलाडियों के मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देकर दौरा रद्द कर दिया था। दौरे को लेकर आस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस ने खास तैयारी की है। कमिंस ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ रिवर्स स्विंग गेंदबाजी को आजमाया जाएगा। इसके अलावा स्टीव स्मिथ भी पाकिस्तान दौरे पर वापसी कर रहे हैं।यदि आप भी आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच इस पहले टेस्ट मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो मैच के बारे में कुछ अहम बातों के बारे में जान लेते हैं। शुक्रवार, 4 मार्च को खेला जाएगा आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच। कहां खेला जाएगा आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच पिंडी क्रिकेट स्टेडियम रावलपिंडी में खेला जाएगा आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच। कितने बजे खेला जाएगा आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच सुबह 10 बजे खेला जाएगा आस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच पहला टेस्ट मैच।यदि आप पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाले इस पहले टेस्ट मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर इसका प्रसारण किया जाएगा। सोनी सिक्स पर आप इस मैच को देख सकते हैं जबकि लाइव स्ट्रीमिंग का आनंद आप सोनी लिव ऐप पर ले सकते हैं।

पाकिस्तान का कौन बल्लेबाज आस्ट्रेलिया के लिए बन सकता है सबसे बड़ा थ्रेट, ब्रेट ली ने बताया नाम

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया की टीम 24 साल के बाद पाकिस्तान दौरे पर गई है। इस दौरे पर कंगारू टीम को मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ तीन-तीन मैचों की टेस्ट और वनडे सीरीज खेलनी है जबकि दोनों देशों के बीच एक टी20 मैच खेला जाएगा। 1998 के बाद पाकिस्तान दौरे पर गई कंगारू टीम को पाकिस्तान के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 4 मार्च से रावलपिंडी में खेलना है। इसमें कोई शक नहीं है कि आस्ट्रेलिया की टीम मजबूत दिख रही है, लेकिन पाकिस्तान का कौन सा बल्लेबाज इस टीम के लिए बड़ी परेशानी बन सकता है इसके बारे में पूर्व कंगारू तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया। ब्रेट ली ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को आस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ा थ्रेट बताया है जिनकी बल्लेबाजी तकनीक काफी जबरदस्त है। ली ने फालो आन पाडकास्ट पर बात करते हुए

बाबर आजम के बारे में बताया कि वो वर्ल्ड क्लास प्लेयर हैं। आप मुझे बताओ की वर्ल्ड क्रिकेट में बाबर आजम की तुलना में बेहतर तकनीक और कवर ड्राइव किसका है। वैसे आप तीन खिलाड़ी के बारे में सोच सकते हैं जिसमें विराट कोहली, जो रूट और केन विलियमसन हैं। बाबर एक आक्रामक खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी तकनीक फर्स्ट क्लास है। ब्रेट ली ने आगे कहा कि बाबर आजम निश्चित रूप से आस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। आपको उन्हें जल्दी आउट करने की कोशिश करनी होगी या फिर उन्हें आउट करना होगा क्योंकि दुनिया का कोई भी बल्लेबाज जल्दी आउट हो सकता है। शायद आस्ट्रेलिया के लिए यह टेस्ट जीतने का अच्छा तरीका होगा। आपको बता दें कि बाबर आजम अभी टी20 और वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज हैं तो वहीं टेस्ट क्रिकेट में उनकी मौजूदा रैंकिंग नौवीं है।

देश के 300वें टेस्ट में कप्तानी करना सम्मान की बात : दिमुथ करुणारत्ने

मोहाली। श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारतने ने कहा कि कुशल मेंडिस मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे, लेकिन विकेटकीपर बल्लेबाज निरोशन डिकवेला बायो-बबल का उल्लंघन करने के कारण लगे एक साल का प्रतिबंध झेलने के बाद वापस टीम से जुड़ गए हैं। पिछले साल इंग्लैंड दौरे में बायो-बबल का उल्लंघन करने पर मेंडिस और डिकवेला पर प्रतिबंध लगाया गया था। करुणारतने ने कहा, 'डिकवेला विकेटकीपर होंगे, तेज गेंदबाज दुष्मंता चमीरा को आराम दिया जाएगा और वह डे-नाइट टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे, जबकि मेंडिस नहीं खेल पाएंगे श्रीलंका का यह 300वां टेस्ट मैच होगा। करुणारतने कहा, 'अपने देश के 300वें टेस्ट मैच में कप्तानी करना शानदार अहसास है। मुझे इसकी उम्मीद लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं श्रीलंका के लिए सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने की पूरी कोशिश करूंगा। श्रीलंकाई खिलाड़ी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और सभी अच्छी स्थिति में हैं।

आइपीएल के 15वें सीजन के लिए क्या है बायो-बबल के नियम, इसका पालन करना हर टीम के लिए अनिवार्य

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) आइपीएल 2022 के सीजन के आयोजन कि लिए पूरी तरह से तैयार है। आइपीएल के 15वें सीजन की शुरुआत 26 मार्च से होनी है जिसमें कुछ ही दिन शेष बचे हैं, लेकिन उससे पहले बीसीसीआइ ने बायो-बबल संबंधी नियम जारी किए हैं। आइए हम आपको बताते हैं उस नियमों के बारे में जिसका पालन करने की आवश्यकता हर टीम को होगी। 1. बायो सिक्योर बबल में प्रवेश करने के लिए खिलाडियों और सहयोगी स्टाफ को पहले तीन दिन हार्ड क्वारंटाइन से गुजरना होगा और चौथे दिन उनका टेस्ट किया जाएगा। इस टेस्ट में निगेटिव आने के बाद ही किसी को बायो-बबल में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। 2. खिलाडियों की हर 24 घंटे के बाद क्वारंटाइन अवधि के दौरान इन-रूम टेस्टिंग करनी होगी। 3. खिलाड़ी बबल से बबल में तब प्रवेश कर सकते हैं

जब उन्होंने आने के लिए चार्टर फ्लाइट या फिर सड़क मार्ग का उपयोग किया हो। इसमें श्रीलंका का भारत दौरा, आस्ट्रेलिया का पाकिस्तान दौरा, बांग्लादेश का दक्षिण अफ्रीका का दौरा और इंग्लैंड का वेस्टइंडीज का दौरा शामिल है। 4. यदि कोई खिलाड़ी या फिर टीम स्टाफ बुलबुले से बाहर निकलता है तो उन्हें तीन दिन की क्वारंटाइन से गुजरना होगा और फिर उनका टेस्ट निगेटिव आना जरूरी होगा। 5. खिलाड.ियों के आने पर उनका टेस्ट मुंबई में किया जाएगा और नतीजा आने तक उन्हें उनके कमरों में क्वारंटाइन किया जाएगा। इसके अलावा एयरपोर्ट पर जीरो कान्टैक्ट होना चाहिए। 6. खिलाड.ियों की आवाजाही के लिए ग्रीन कारिडोर बनाने की जरूरत होगी ताकि बायो बबल बना रहे। 7. यदि किसी टीम का कोई सदस्य पाजिटिव पाया जाता है तो उन्हें होटल में क्वारंटाइन करने की अनुमति दी जा सकती है। आपको बता दें कि ऐसी उम्मीद है कि सभी 10 फ्रेंचाइजी 14-15 मार्च तक अपनी तैयारियां शुरू कर देंगी। इस सीजन की शुरुआत 26 मार्च से होगी तो वहीं फाइनल मुकाबला 29 मई को खेला जाएगा। इस बार सभी 70 लीग मुकाबले महाराष्ट्र में खेला जाएगा जिसके लिए मुंबई की तीन जबकि पुणे के एक स्टेडियम का चयन किया गया है। इस बार 10 टीम को दो ग्रुप में बांटा गया है और हर टीम पांच टीमों के साथ दो जबकि चार टीमें के साथ एक-एक मुकाबले खेलेगी।

राशिफल

मेष-:अपने सभी रिश्तों का लाभ उठाकर आपको अपने सभी रुके हुए काम पूरे करने चाहिए, क्योंकि ऐसे अवसर रोजमर्रा की जिंदगी में नहीं मिलते हैं।

वृष-:इस दिन कोई रिश्तेदार घर में शुभ समाचार लेकर आएगा। ऑफिस के काम से बाहर जाना पड़ सकता है। इस राशि के लोगों को आज बहुत धन लाभ होने वाला है।

मिथुन-:आज नए लोगों से मुलाकात होने के योग बन रहे हैं जिनसे नए रिश्ते शुरू होंगे। आज के दिन आपको इस सूत्र को अपने आप साकार करने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है

कर्क-:आज किसी नए व्यक्ति से मुलाकात आपके जीवन को खुशियों से भर देगी। जिससे आपने मिलने की कल्पना भी नहीं की थी वो अचानक आपके जीवन में आएगा।

सिंह-:आज का दिन अच्छा रहेगा बशर्ते आप तनाव से दूर रहें। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा साथ ही आपको मानसिक शांति भी मिलेगी। आज छात्रों को अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

कन्या-: आज कोई निणय न ले पाने के कारण कोई नया काम शुरू करना आपके लिए हितकर नहीं है। आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे अन्यथा मनमुटाव की संभावना है।

तुला-:आज आपको आश्चर्य होगा कि आपने उस समस्या का समाधान कर दिया है जिसे कोई हल नहीं कर पाया। यह समस्या वह भी हो सकती है

वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। इस राशि के छात्र आज अपने प्रोजेक्ट्स के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

धनु-:आज आपको अपनी दिनचर्या बदलने की जरूरत है, कई लोग आपसे नाराज हैं। छोटी-छोटी बात पर भी आपका अपने प्रिय से वाद-विवाद हो सकता है।

मकर-:व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे। यदि आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो उसके लिए आज का दिन बहुत ही शुभ है।

कुंभ-:आज आपका दिन उम्मीद से बेहतर रहेगा। इस राशि के जोड़े आज जीवनसाथी के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं। किसी परेशान व्यक्ति की मदद करना ।

मीन-:आज कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शासन में सफलता मिलेगी। मामले में जीत की प्रबल संभावना है।

सम्पादकीय

यूक्रेन संकट मानव सभ्यता की परख का समय

रूस की सेनाएं लगातार यूक्रेन में घुसती जा रही हैं। पूरी दुनिया इस रूसी हमले के आगे असहाय दिख रही है। वह आर्थिक प्रतिबंधों एवं विरोध से आगे नहीं बढ़ पा रही है। वहीं मात्र 4.4 करोड़ की आबादी वाला यूक्रेन रूसी हमले का डटकर मुकाबला कर रहा है। यही कारण है कि मास्को ने अपने परमाणु दस्ते को सक्रिय कर दिया है। यह संकेत करता है कि मौजूदा संघर्ष लंबा खिंच सकता है। रूस को स्विफ्ट वित्तीय प्रणाली से बाहर करने और अमेरिका एवं अन्य देशों से यूक्रेन को सैन्य मदद देने से उन लोगों को जरूर कुछ राहत मिलेगी, जो पीडित-प्रतडित पक्ष से सहानुभूति रखते हैं। पुतिन का यह दुस्साहस कोई नया नहीं है। इससे पहले 2008 में रूस द्वारा जार्जिया और 2014 में क्रीमिया पर बेशर्मी से कब्जा संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन था। मध्य यूरोप का मानचित्र बदलने की रूसी महत्वाकांक्षा की 21वीं सदी में कोई और मिसाल नहीं मिलती। पूर्ववर्ती सोवियत संघ की साम्राज्यवादी शैली वाले गौरवशाली अस्मिता बोध से कुप्रेरित रूसी हमले में एक संप्रभु राष्ट्र की पहचान समाप्त होने का संकट वास्तव में विधिसम्मत संचालित अंतरराष्ट्रीय ढांचे की परीक्षा लेने वाला है। जब दुनिया कोविड महामारी के कोप से बाहर निकलने में जुटी थी, तब रूसी हमले ने वैश्विक राजनीतिक अस्थिरता को और बढ़ा दिया। इसने वैश्विक शांति सुनिश्चित करने के दायित्व से बंधी संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं की भूमिका एवं प्रासंगिकता पर भी नए सिरे से प्रशन चिन्ह लगा दिए हैं। कमजोर बहुसंख्या किस प्रकार वीटो से लैस ताकतवर अल्पसंख्या के समक्ष निष्प्रभावी हो जाती है, इसे देखते हुए संयुक्त राष्ट्र में सुधार अपरिहार्य हो गए हैं। आखिर यह कितनी शर्मनाक स्थिति है कि आक्रांता ही अपने विरुद्ध लाए प्रस्ताव पर निर्णय-नियंता बन जाए। यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में आए प्रस्ताव पर यही देखने को मिला। आत्मरक्षा की आड़ में यूक्रेन के 'विसैनयीकरण' के लिए रूस ने जो विशेष सैन्य अभियान चलाया है, वह एक तरह से खुद को दिए घाव पर मरहम लगाने जैसा है। यूक्रेन को अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो के पाले में जाने से रोकने और पूर्व सोवियत संघ के खोए गौरव को पुनः हासिल करने की चेष्टा में यह रूस का स्वरचित घटनाक्रम है। इससे पहले जाजिन्या, क्रीमिया, माल्डोवा और डोनबास में पुतिन के दांव एक सोची-समझी रणनीति के तहत ही लगते हैं। पुतिन चीन के साथ मिलकर रूस के पुराने वर्चस्व को वापस पाने की कोशिश में लगे हैं। यूक्रेन युद्ध का परिणाम ही यह तय करेगा कि पुतिन अपने इन मंसूबों में कितने कामयाब होंगे। सोवियत संघ के विघटन के बाद एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में यूक्रेन के अस्तित्व पर पुतिन का सवाल उठाना बेतुका है। यूक्रेन मामले में हस्तक्षेप को लेकर पुतिन ने दो टूक कहा कि इसके ऐसे दुष्परिणाम भुगतने होंगे, जैसे कभी इतिहास में नहीं देखे गए होंगे। उनकी इस चेतावनी ने पहले से तनावपूर्ण माहौल को और तल्ख बना दिया। ऐसे में यह संघर्ष लंबा चला तो यूरोप में टकराव के नए मोर्चे खुल सकते हैं। इससे वह धारणा भी ध्वस्त हो जाएगी कि आर्थिक निर्भरता अंतरराष्ट्रीय शांति का जरिया बन सकती है। इसके अलावा यह युद्ध परमाणु निःशस्त्रीकरण की कवायद को भी पटरी से उतारने का काम करेगा। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और कानूनों को लेकर जारी बहस के बीच में यह स्पष्ट है कि यूक्रेन संकट के समाधान में शक्ति एवं सिद्धांत के महीन संतुलन की परख होनी है। यह दर्शाएगा कि क्या न्याय के प्रशन को शक्ति समीकरणों से विलग किया जा सकता है इसी तरह क्या राज्य शक्ति के उपयोग में स्वयं को सुसभ्य बनाने की दिशा में विश्व ने ताकत से कूटनीति एवं कूटनीति से विधि की ओर प्रस्थान किया है या नहीं फिलहाल हमें यही स्वीकार करना होगा कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था का टकराव की स्थिति में शक्ति पर स्वतंत्रता को महत्व देने का दावा मिथ्या प्रतीत हो रहा है। आज यूरोप एक अंधियारे दौर से गुजर रहा है। ऐसे में एक मानवीय वैश्विक ढांचे के लिए सिद्धांतों के आलोक में बार फिर कड़ी परीक्षा का पड़ाव आ गया, जहां हमारे समक्ष सिद्धांत और व्यावहारिकता में से सर्वोत्तम विकल्प चुनने की बात है। भारत ने रूसी अतिक्रमण का पक्ष न लेने के अलावा संयुक्त राष्ट्र में मतदान से अनुपस्थित रहकर संतुलित दृष्टिकोण अपनाया। संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के पवित्र सिद्धांतों को समर्थन देने के साथ ही बहुआयामी राष्ट्रहितों की पूर्ति के उपक्रम में भारत ने रणनीतिक निष्पक्षता को ही पोषित किया।

विश्व पटल पर निरंतर कम होता दिख रहा है अमेरिका का वर्चस्व

पिछले कई दशकों से अमेरिका को विश्व में एक महाशक्ति के रूप में जाना जा रहा है। कमोबेश उसका वर्चस्व पूरी दुनिया में कायम रहा है। लेकिन यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद से जिस तरह से वैश्विक परिदृश्य में बदलाव आया है और उसमें अमेरिका की भूमिका सामने आई है, उससे एक विमर्श यह भी सामने आ रहा है कि क्या अमेरिका एक व्यापारी बनकर ही रह जाएगा। अमेरिका रूस पर पाबंदी तो लगा रहा है, परंतु इस युद्ध से उसे भी बहुत नुकसान हो रहा है। अमेरिका ने भले ही स्विफ्ट यानी द सोसायटी फार वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन से रूस को निकाल दिया हो, पर उसने पहले ही इसका विकल्प तैयार कर रखा था। रूस ने अपने मित्र देशों के साथ मिलकर एसपीएफएस बना रखा है। एसपीएफएस से 400 बैंक जुड़े हैं, इसमें 23 विदेशी बैंक भी जुड़ चुके हैं। रूस अपने घरेलू पेमेंट का 20 प्रतिशत इसी के माध्यम से करता है। हालांकि यह सच है कि अमेरिका कभी युद्ध में शामिल नहीं होना चाहता था। वह एक व्यापारी के तौर पर अपने देश को आगे ले जाना चाहता था। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी ऐसा देखा गया है कि अमेरिका कभी स्वयं मैदान में नहीं आया। द्वितीय विश्व युद्ध से अमेरिका एक सुपर पावर के रूप में उभर कर आया। पर जैसे ही जापान ने अमेरिका के पर्ल हार्बर पर हमला किया, उसे उसके बदले में भारी नुकसान झेलना पड़ा। अमेरिका ने हिरोशिमा और नागासाकी पर दो बड़े विनाशकारी बम गिरा दिए। इसके बाद से पूरी दुनिया में अमेरिका की एक अलग छवि उभर कर आई। तभी से दुनिया भर में परमाणु हथियारों को लेकर एक अलग जंग छिड़ गई। इसके बाद अमेरिका ने जापान को किसी भी तरीके के हथियार रखने से रोक दिया। जापान में अमेरिकी सेना ही सेवा में रहती है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि अमेरिका अपनी रणनीति में कामयाब रहा। दूसरी ओर यह भी देखा गया है कि जब भी विश्व में कहीं युद्ध जैसे हालात बने हैं तो अमेरिका ने उन कमजोर देशों का साथ दिया जिनके पास हथियार की कमी रही। वहां अमेरिका एक व्यापारी के रूप में सामने आया। लगभग दो दशक पहले अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले में लगभग तीन हजार लोगों की जान गई थी। इसके बाद अमेरिका ने अफगानिस्तान में अल कायदा को मिटाने के लिए लाखों लोगों की जान ले ली थी। अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए उसने अपने हथियारों के साथ सेना को अफगानिस्तान में भेजा। वर्ष 2001 के बाद से अमेरिका वहां अपना सैन्य अड्डा बनाकर बैठा था। इन दो दशकों के दौरान अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपनी सेना पर 2.3 खरब डालर खर्च किए। इतना सब होने के बावजूद अमेरिकी सेना को खाली हाथ लौटना पड़ा। क्या हम इससे यह समझ सकते हैं कि अमेरिका ने अफगानिस्तान को एक 'खरीदा के रूप में इस्तेमाल किया। दरअसल अमेरिका व्यापार में इतना आगे बढा चाहता है कि उसने आस्ट्रेलिया के साथ एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर किया जो फ्रांस पहले से ही उसके साथ करना चाहता था। परिणामस्वरूप अमेरिका को फ्रांस की नाराजगी झेलनी पड़ी। अमेरिका ने यूनाइटेड किंगडम और आस्ट्रेलिया के साथ मिलकर जो डील की थी, वह एक परमाणु पनडुब्बी बनाने की थी। आस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका ने मिलकर एक संगठन बनाया जिसका नाम 'आकस था। इससे फ्रांस नाराज हो गया और उसने यह भी कहा कि उसके साथ विश्वासघात हुआ है। इसके जवाब में अमेरिका ने कहा कि वह फ्रांस को मना लेगा। फ्रांस को गलतफहमी हुई है जिसके चलते वह हमसे नाराज है। फ्रांस का यह कहना था कि यह डील उसके साथ होने वाली थी। इसलिए फ्रांस ने आस्ट्रेलिया से अपने राजदूत को वापस बुला लिया। इससे अमेरिका और फ्रांस के बीच दूरियां बढ? लगीं। अमेरिका फ्रांस को इसलिए भी नहीं नाराज कर सकता, क्योंकि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य है और अमेरिका के किसी भी निर्णय को वीटो के माध्यम से सफल होने से रोक सकता है। साथ ही वह नाटो का सदस्य भी है। फ्रांस और जर्मनी यूरोपियन यूनियन में एक ताकतवर देश रहे हैं। ऐसे में फ्रांस का यह रवैया इस समूह में उसकी एक अलग छवि प्रस्तुत करेगा। देखते ही देखते इस व्यापार की दौड़ में फ्रांस ने चीन से हाथ मिला लिया। चीन के साथ मिलकर फ्रांस ने एक थर्ड पार्टी का गठन किया जिसमें उसने 1.7 अरब डालर की डील साइन की। साथ ही ईरान के परमाणु समझौते को बढ़ावा देने के लिए फ्रांस और चीन साथ आए। यहां तक कि फ्रांस ने इंडोनेशिया के साथ 42 राफेल विमान की डील भी साइन की। इस प्रकार एक तरफ फ्रांस का यह बढ़ता व्यापार तो दूसरी ओर रूस का यूक्रेन पर हमला। आखिर रूस इतना क्रूर व्यवहार क्यों दिखा रहा है तो इसके पीछे फिर वही अमेरिका है। अमेरिका बार बार यूक्रेन को उकसा रहा था, क्योंकि वह रूस को घेरना चाहता है ताकि वह रूस पर दबाव बना सके। रूस की क्रांति के नायक रहे ब्लादिमीर लेनिन ने कहा था,'यूक्रेन को गंवाना वैसा ही होगा जैसे एक शरीर से उसका सिर अलग हो जाए। रूस के लिए यूक्रेन भौगोलिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए वह उसे नाटो का सदस्य बनने नहीं देना चाहता है। यूक्रेन ने रूस के लिए दोनों विश्व युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। रूस ने यूक्रेन से ही अपनी मदद की थी। अगर यूक्रेन नाटो का सदस्य बनता है तो वह रूस की राजधानी मास्को तक पहुंचना अमेरिका के लिए आसान हो जाएगा, वहां से केवल 640 किलोमीटर की ही दूरी रह जाएगी। यूक्रेन नाटो का सदस्य बनना चाहता है जिससे रूस उस पर कब्जा न कर सके, क्योंकि वह जानता था कि वह अकेला रूस से नहीं जीत सकता। इसी कारण वह यूरोपियन यूनियन में शामिल हो गया और अब नाटो का सदस्य बनना चाहता था। इसी का फायदा अमेरिका ने उठाया और यूक्रेन को युद्ध के लिए उकसाया।

जलवायु संकट से समाधान की दिशा में भारतीय जीवनशैली सार्थक

बीते दिनों जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के अंतर सरकारी पैनल (आइपीसीसी) द्वारा 'क्लाइमेट चेंज 2022 : इंपैक्ट, एडप्शन और वलनरेबिलिटी नामक एक रिपोर्ट जारी की गई है। विश्व बिरादरी को इसमें चेतावनी दी गई है कि यदि उत्सर्जन में कमी नहीं लाई गई तो लगभग एक दशक में 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक वैश्विक तापमान बढ़ सकता है जो कि एक खतरनाक स्थिति होगी। ऐसी स्थिति में, वैश्विक स्तर पर गर्मी व आर्द्रता में भारी वृद्धि होगी तथा यह मानव जीवन के लिए अनेक प्रकार से प्रतिकूल स्थितियां पैदा करेगी। इस रिपोर्ट में ऐतिहासिक और हाल के परिवर्तनों का विस्तृत आकलन किया गया है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और बढ़ते तापमान के विभिन्न स्तरों के तहत भविष्य में होने वाले बदलावों का अनुमान भी इसमें लगाया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बदलती जलवायु के साथ एशिया में कृषि और खाद्य प्रणालियों के लिए जलवायु संबंधी जोखिम अलग-अलग रूप में बढ़ते जाएंगे। विविध फसलों के उत्पादन में कमी आने, भूजल स्तर के नीचे जाने, समुद्र के खतरनाक स्तर तक पहुंचने जैसे अनेक संकटों के प्रति भी उक्त रिपोर्ट में दुनिया को आगाह किया गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण एशियाई देशों में इस सदी के अंत तक सूखे की स्थिति में पांच से 20 प्रतिशत तक वृद्धि होने की आशंका भी रिपोर्ट में जाहिर की गई है। इस रिपोर्ट में भारत को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकटों के प्रति विशेष रूप से सचेत किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय शहरों में ज्यादा गर्मी और चक्रवाती तूफान आने की आशंका बनी रहेगी। इस सदी के मध्य तक तटीय इलाकों में रहने वाली देश की करीब साढ़े तीन करोड़ आबादी के बाढ़ जैसे संकट से प्रभावित होने की बात भी इसमें कही गई है। वहीं इस सदी के अंत तक यह आंकड़ा पांच करोड़ तक भी पहुंच सकता है। कुल मिलाकर स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन वैसे तो पूरे विश्व के लिए ही संकट का सबब बन रहा है, उसमें भी भारत के लिए इसकी भयावहता कुछ अधिक ही होने के आसार नजर आ रहे हैं। उक्त रिपोर्ट में जो भी तथ्य सामने आए हैं, वे भले ही भविष्य के लिए हों, लेकिन इस रिपोर्ट के लेखकों में से एक आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के डा. फ्राइडेरिक ओटो का कहना है, 'जलवायु परिवर्तन भविष्य की समस्या नहीं है, ये मौजूदा समस्या है और सारी दुनिया पर असर डाल रही है अतः इस संकट से यदि निपटना है तो सबसे पहले इसे भावी संकट के बजाय मौजूदा संकट के रूप में देखते हुए रणनीति तय करने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दीर्घकालिक कार्यक्रमों को अपनाने की आवश्यकता है। हमारे लिए मुश्किल यह है कि यह समस्या आनी नहीं है, बल्कि हमारे समक्ष

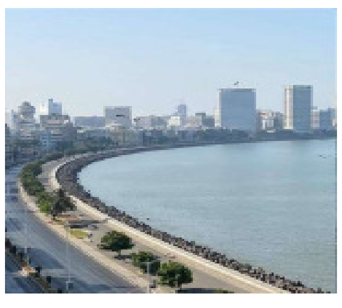

आ चुकी है और आगे यह और अधिक भयावह होगी। वर्तमान समय की मांग है कि अब पूरी गंभीरता के साथ जलवायु संकट के समाधानों पर न केवल विचार किया जाए, अपितु वैश्विक स्तर पर एक आम राय बनाकर उन्हें व्यवहार में भी लाया जाए। परंतु दुखद यह है कि ऐसे गंभीर संकट पर भी विश्व के विकसित देश अभी भी अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए तैयार नहीं नजर आ रहे। एक संबंधित आंकड़े के मुताबिक, कार्बन उत्सर्जन अमेरिका में सबसे अधिक 25 प्रतिशत, उसके बाद यूरोपीय संघ में 22 प्रतिशत और चीन में 13 प्रतिशत रहा है। जाहिर है, विकसित देशों ने उत्सर्जन करके विकास तो कर लिया, परंतु अब वे जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में अपना उत्सर्जन कम करने तथा विकासशील देशों की समुचित सहायता करने के प्रति व्यावहारिक रूप से क्रियाशील नहीं दिखाई दे रहे। वैश्विक आबादी में भारत की 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है, लेकिन कार्बन उत्सर्जन में योगदान महज पांच प्रतिशत है, परंतु इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का संकट भारत के लिए भी विनाशकारी साबित हो सकता है। इसी तथ्य को लेकर भारत वैश्विक मंचों पर जलवायु न्याय का विषय उठाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र सहित विकसित देश जितना शीघ्र जलवायु न्याय के पहलू के प्रति गंभीर हो जाएंगे, जलवायु परिवर्तन से वैश्विक लड़ाई में उतनी ही मजबूती आएगी। हालांकि जलवायु संकट बढे पर भारत के इससे विशेष रूप से प्रभावित होने की आशंका है। इस आशंका का एक प्रमुख कारण देश की विशाल आबादी तथा विविधतापूर्ण जलवायु स्थितियां भी हैं। परंतु इस स्थिति से इतर तथ्य यह भी है कि जलवायु संकट से निपटने के लिए जो भी वैश्विक प्रयास हुए हैं, भारत ने उनमें अग्रणी भूमिका निभाई है और विश्व समुदाय को दिशा देने का काम भी किया है। जी-20 समूह में भारत एकमात्र ऐसा देश है जो पेरिस जलवायु समझौते का ठीक ढंग से अनुपालन करते हुए उसके लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर अपने भाषणों में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जीवनशैली में परिवर्तन पर विशेष बल देते रहे हैं। पर्यावरण के अनुकूल सतत जीवनशैली, जिसका उदाहरण भारत का लोक जीवन है, उसे अपनाकर जलवायु परिवर्तन से लड़ाई को मजबूती दी जा सकती है। वस्तुतः यदि यह धरती रहेगी तो ही किसी के महाशक्ति और विकसित होने का कोई अर्थ है, अतः वर्तमान आवश्यकता यही है कि विश्व के सभी देश अपने आपसी टकरावों, मतभेदों और प्रतिस्पर्धाओं को कुछ समय के लिए किनारे रखकर जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में व्यावहारिक एकजुटता दिखाते हुए शीघ्र जरूरी कदम उठाएं।

सरकार ने एक जिला-एक मेडिकल कालेज के जिस विचार को अपनाया है, उसे अब एक मिशन की तर्ज पर लेना होगा

रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ ही भारत में चिकित्सा शिक्षा को लेकर एक बड़ी बहस खड़ी हो गई है। खासकर महंगी चिकित्सा शिक्षा के साथ आबादी और आवश्यकता के अनुपात में एमबीबीएस की कम सीट संख्या को लेकर। यह सच है कि भारत में एमबीबीएस की डिग्री पाना बेहद कड़ी प्रतिस्पर्धा या संपन्न पारिवारिक पृष्ठभूमि से ही संभव है, लेकिन यह भी तथ्य है कि आजादी के बाद देश के चिकित्सा शिक्षा ढांचे को कभी गंभीरता से सुगठित करने के प्रयास ही नहीं हुए। 1947 के बाद देश की आबादी तो सात गुना बढ़ी, लेकिन मेडिकल कालेज नहीं। हालांकि मोदी सरकार के आने के बाद चिकित्सा शिक्षा के ढांचे और नियमन को सशक्त बनाने पर काम आरंभ हुआ है। 1940 से 2014 की मध्य अवधि तक सालाना औसतन छह नए मेडिकल कालेज देश में निर्मित हुए, वहीं 2015 से यह आंकड़ा 29 नए मेडिकल कालेज प्रतिवर्ष का है। आज देश में चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या 586 है, जिनमें 89,875 एमबीबीएस एवं 46,118 पीजी सीटें उपलब्ध हैं। 2014 में देश के सभी मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की सीटें 53,348 एवं पीजी की सीटें 23,000 थीं। इन मेडिकल कालेजों में लगभग आधे यानी 276 निजी हैं। यानी देश में मध्यम वर्ग के लिए मेडिकल शिक्षा का रास्ता बेहद प्रतिस्पर्धी और खर्चीला है। नतीजतन बड़ी संख्या में बच्चे एमबीबीएस की डिग्री लेने के लिए यूक्रेन, रूस, फिलीपींस, चीन, तजाकिस्तान और यहां तक कि बांग्लादेश का भी रुख करते हैं। इन देशों में बगैर नीट जैसी कठिनतम परीक्षा के सीधे मेडिकल कालेजों में प्रवेश मिल जाता है। एमबीबीएस की पढ़ाई पर भारत में औसतन एक करोड़ रुपये निजी मेडिकल कालेजों में लगता है, वहीं इन देशों में यह खर्च औसतन 20 से 25 लाख रुपये ही आता है। सरकारी कालेजों में सालाना फीस औसतन एक लाख रुपये के आसपास है। करीब 40 हजार बच्चे हर साल विदेश जाकर मेडिकल शिक्षा लेने जाते हैं। 2021 में करीब 17 लाख बच्चों ने नीट की परीक्षा दी और दाखिला मिला 87 हजार को यानी केवल पांच प्रतिशत को। ऐसे में रूस, यूक्रेन, चीन जैसे देशों का विकल्प स्वाभाविक ही मध्यम वर्ग को लुभाता है। हाल में मोदी सरकार ने निणर्य लिया है कि अब निजी मेडिकल कालेजों की आधी सीटों की फीस संबंधित राज्यों के सरकारी मेडिकल कालेजों जितनी होगी, लेकिन सवाल इसके अनुपालन का है। निजी मेडिकल कालेज चलाने वाले आम लोग नहीं हैं। ऐसे कालेजों नेता, नौकरशाह और धनाढ्य कारोबारियों का ऐसा सिंडिकेट चलाता है, जो मुनाफे के लिए सरकारी तंत्र को ही प्रभावित करने की ताकत रखता है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुद्दुचेरी के साथ महाराष्ट्र ने देश की कुल स्वीकृत एमबीबीएस सीटों में से 48 प्रतिशत हिस्सा अपने यहां ले रखा है। खास बात यह है कि 276 निजी मेडिकल कालेजों में से 165 इन सात प्रांतों में ही स्थित हैं। इन सात प्रदेशों में से केवल 105 कालेज ही सरकारें चलाती हैं। अब तस्वीर का दूसरा पक्ष रूस-यूक्रेन लड़ाई के ताजा संदर्भ में समझा जा सकता है। यूक्रेन में फंसे मेडिकल छात्रों में अधिकतर बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल जैसे हिंदी भाषी प्रांतों के हैं। इन प्रांतों की लगभग 65 करोड़ आबादी पर देश की कुल एमबीबीएस सीटों में

से उपलब्धता केवल 30 प्रतिशत है। यहां एमबीबीएस की कुल सीट संख्या 25,325 है। इन प्रांतों में कुल 176 मेडिकल कालेज है, जिनमें 72 निजी एवं 104 सरकारी क्षेत्र के हैं। नगालैंड देश का ऐसा प्रांत है, जहां एक भी मेडिकल कालेज नहीं है। स्पष्ट है देश में चिकित्सा शिक्षा का ढांचा न केवल क्षेत्रीय असुंतलन, बल्कि बेहतर नियमन के अभाव में भी बुरी तरह गड़बड़ाया हुआ है। यह सही है कि पिछले सात वर्षो में नीतिगत स्तर पर सुधार के कुछ बुनियादी कदम उठाए गए हैं, लेकिन अभी एक लंबा सफर तय किया जाना शेष है। केंद्र सरकार ने एक जिला-एक मेडिकल कालेज के जिस विचार को अपनाया है, उसे एक मिशन की तर्ज पर लेना होगा। एक देश-एक स्वास्थ्य नीति एक बेहतर विकल्प है। सभी प्रांतों को अपने राजनीतिक हितों को छोड़कर नीट जैसे एकीकृत माडल पर अपनी सहमति देनी चाहिए, ताकि मेडिकल शिक्षा का ढांचा समरूपता के साथ आगे बढ़ सके। आयुष की उपचार पद्धति को प्रतिष्ठित करने की भी कोशिश करनी होगी, ताकि एलोपैथी के लिए मारामारी खत्म हो। यह भी तथ्य है कि मेडिकल शिक्षा नियमन का काम एक बड़े सिंडिकेट के हवाले रहा है, जिसने इसे मुनाफे का धंधा बनाया है। सरकारी क्षेत्र के लिए नए कालेज खोलने के रास्ते को मेडिकल माफिया ने दुरूह बनाकर रखा है। बेहतर होगा कि राज्य और केंद्र के झगड़ों को विराम देकर हर जिले में एक समग्र मेडिकल कालेज खोलने की जवाबदेही केंद्र सरकार अपने कंधों पर ले। ऐसे समग्र मेडिकल कालेजों में एलोपैथी के साथ आयुष और अन्य परंपरागत भारतीय पद्धतियों के पाठ्यक्रम उसी तरीके से चलाए जाएं, जैसे एलोपैथी के चलाए जाते हैं। पीजी डिग्री के लिए इंग्लैंड की तर्ज पर जिला एवं सीएचसी को केंद्र बनाया जाए। चिकित्सा शिक्षा और लोक स्वास्थ्य के अलग-अलग ढांचों को देश भर में एकीकृत तंत्र के दायरे में लाना भी जरूरी है। यह भी समय की मांग है कि देश के सभी विश्वविद्यालयों को बहु-विषयक बनाकर चिकित्सा शिक्षा से जोड़ा जाए। जैसा कि हाल में जेएनयू में किया गया है। आशा की जानी चाहिए कि रूस-यूक्रेन युद्ध थमने के बाद चिकित्सा शिक्षा को लेकर खड़ा विमर्श ब्रेकिंग न्यूज की तरह गायब होने के स्थान पर नीतिगत बदलाव का वाहक बनेगा।

भारत में प्राइवेट मेडिकल संस्थानों के मेडिकल शुल्क ढांचे पर हो विचार ताकि विदेश जाने से बचे धन

भारत में शिक्षा और रोजगार के पर्याप्त अवसरों के बीच पढ़ाई के लिए बड़ी संख्या में छात्रों का विदेश जाना हैरत भरा दिखता है। बीते वर्षो यूक्रेन की यात्रा के दौरान कीव एयरपोर्ट का एक दृश्य आज भी हैरान करता है। यहां पहुंचते ही भारतीय छात्रों की बड़ी संख्या देखकर हैरानी और उत्सुकता दोनों हुई। इतनी संख्या में भारत के लोगों को देखकर एक बार तो ऐसा लगा कि यह भारत का ही कोई एयरपोर्ट हो। वहां अधिकांश भारतीयों की उम्र 20 से 25 वर्ष ही रही होगी। यूक्रेन जाने वाले विमान में 80 प्रतिशत से ज्यादा संख्या भारतीय लोगों की थी, उसमें भी अधिकतर विद्यार्थी ही थे। मेरे साथ की सीट पर बैठी एक भारतीय छात्रा कीव से मेडिकल की पढ़ाई कर रही थी। तब तक मैं इस बात से अनभिज्ञ थी कि भारत से इतनी बड़ी संख्या में छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने यहां जाते हैं। बातचीत में यह ज्ञात हुआ कि यह छात्रा बहुत ही सामान्य परिवार से संबंध रखती थी। 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद दो साल घर बैठकर उसने तैयारी की, लेकिन इतनी रैंक नहीं पा सकी कि किसी सरकारी मेडिकल कालेज में दाखिला पा सके। उसने बताया कि भारत में प्राइवेट कालेज में मेडिकल की पढ़ाई कर पाना उसके बस का नहीं था। किसी ने बताया कि विदेश में इससे सस्ती पढ़ाई की जा सकती है। फिर तमाम लोगों से मदद के माध्यम से यूक्रेन के एक मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए नामांकन करवाया। एमबीबीएस करने के लिए भारत से कीव के अलावा छात्र रूस, कजाकिस्तान, चीन आदि देश भी जाते हैं। दरअसल भारत में सरकारी मेडिकल कालेज में दाखिल मिल पाना बहुत मुश्किल है। हालांकि पिछले कुछ वर्षो में यह राह आसान जरूर हुई है, परंतु अभी भी इसमें नामांकन की राह बहुत ही मुश्किल है। मैनेजमेंट कोटा के तहत होने वाले नामांकन के नाम पर अनेक प्रकार की अनियमितताएं अक्सर सामने आती रही हैं। यह ठीक उसी तरह से है कि किसी आवासीय कालोनी में आवास की कीमत 15 लाख रुपये थी और कोई बिल्डर यहां आए और सभी जमीनों को खरीद कर मनमाने दाम पर बेचे, जिसे खरीदना है वह बिल्डर के पास आएगा, क्योंकि उस पूरे इलाके में सभी स्थानों पर उसका ही कब्जा है। जिसे प्लाट या आवासीय भवन चाहिए वह इनकी बताई कीमत पर खरीदे। भारत में मांग के अनुसार आज भी मेडिकल पाठ्यक्रम में सीटें नहीं हैं, और जो हैं वे इतनी महंगी हैं कि सामान्य आर्थिक हैसियत वाले परिवारों के छात्र पढ़ ही नहीं सकते हैं। विदेश में एमबीबीएस में दाखिला के लिए कोई ऐसी भारी भरकम परीक्षा भी नहीं होती है। आसानी से छात्रों को दाखिला मिल जाता है। हालांकि विदेश से मेडिकल की पढ़ाई करने वालों के लिए पहले कुछ हद तक आसानी थी। विदेश से आने के बाद ये लोग आसानी से भारत में प्रैक्टिस शुरू कर देते थे। लेकिन अब इन्हें एफएमजीई परीक्षा देनी होती है। इस परीक्षा ने कुछ विद्यार्थियों को विदेश जाने से अवश्य रोका, लेकिन यह इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। इसके भी कई और रास्ते हो सकते हैं। विदेश से आने के बाद यदि प्राइवेट प्रैक्टिस करते हुए एक वर्ष हो गया और कोई शिकायत नहीं हुई तो ये डाक्टर राज्य सरकारों से प्राइवेट प्रैक्टिस की अनुमति ले सकते हैं। ऐसे डाक्टरों की संख्या बहुत कम है जो बाहर से मेडिकल की पढ़ाई करने के बाद विदेश में ही प्रैक्टिस करें। जब इन्हें भारत में ही काम करना है तो क्यों नहीं ऐसा रास्ता निकाला जाता कि ये पढ़ाई भी यहीं करें। चूंकि विदेश में पढ़ाई करने से भारत से व्यापक पैमाने पर धन उन देशों में भेजा जाता है, जिस धन से भारतीय अर्थव्यवस्था को वंचित होना पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

दिवंगत संगीतकार बप्पी लाहिड़ी की अस्थियां कोलकाता में विसर्जित की गईराज्य

कोलकाता। महान संगीतकार दिवंगत बप्पी लाहिड़ी की अस्थियां मुंबई से कोलकाता लाई गईं। दिवंगत संगीतकार की पतने और पुत्र गुरुवार को अस्थियों को लेकर कोलकाता आए। बप्पी लाहिड़ी के परिवार के अन्य सदस्य भी कोलकाता आ चुके हैं। कोलकाता एयरपोर्ट पर दमकल मंत्री सुजीत बसु मौजूद थे। बप्पी लाहिड़ी की अस्थियों को आउट्राम घाट पर विसर्जित किया गया। उनकी अस्थियों को एक सुसज्जित कार में ले जाया गया। इस मौके पर टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे। दिवंगत संगीतकार की पतने चित्राणी लाहिड़ी, बेटा बप्पा लाहिड़ी और परिवार के अन्य सदस्य डिस्को किंग को श्रद्धांजलि देने के लिए कोलकाता पहुंचे हैं। बताते चले कि भारत में 80 और 90 के दशक में सिनेमा में डिस्को संगीत को लोकप्रिय बनाने वाले गायक-संगीतकार बप्पी लाहिड़ी का स्वास्थ्य संबंधी कई दिक्कतों के कारण गत 16 फरवरी को निधन हो गया था। लाहिड़ी ने जुहू के क्रिटिकेयर हॉस्पिटल में अंतिम श्वांस ली थी। वह 69 वर्ष के थे। लाहिड़ी करीब एक महीने से अस्पताल में भर्ती थे उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई दिक्कतें थी। उनकी देर रात ओएसए (ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपिन्या) के कारण मौत हो गई थी।

तीस हजार को रोजगार, कर्मियों व जनप्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ा, पढ़ें बजट की बड़ी घोषणाएं

शिमला। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अपने कार्यकाल का आखिरी एवं पांचवां बजट पेश किया। मुख्यमंत्री ने 11.02 बजे बजट पढ़ना शुरू किया व दो बजे पूरा किया। करीब तीन घंटे तक जयराम ठाकुर का बजट भाषण चला। मुख्यमंत्री पौने 11 बजे विधानसभा परिसर में पहुंचे। सेवा सिद्धि के चार साल समृद्धि के मोदी के सूत्र वाकया को पढ़कर बजट पढ़ने की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने बजट में पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाने सहित तीन एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री गृहणी सुविधा योजना जारी रहेगी। अब तीन सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। अब एक अतिरिक्त सिलेंडर मिलेगा। पहले दो सिलेंडर मिल रहे थे। 220 नई बसें खरीदी जाएंगी, जिसमें 50 इलेक्ट्रिक बसें होंगी। प्रदेश में लता मंगेशकर संगीत महाविद्यालय खोला जाएगा।

महिला जागरूकता सप्ताह झुग्गी की महिलाओं के लिए स्वास्थ जागरूकता शिविर

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला उननति संस्था द्वारा चलाये जा रहे महिला जागरूकता सप्ता के तीसरे दिन आज ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेनेटरी पैड्स का इस्तेमाल करना चाहिए साथ ही इस दौरान साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। गर्भवती महिलाओं को उत्तम पोषण लेते हुए समय समय पर जच्चा बच्चा की जांच कराते रहना चाहिए तथा महिलाओं को स्वास्थ्य

महिला उधमी पार्क अंतर्गत झुग्गी झोपड़ियों में महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाया गया। शिविर में आई महिलाओं की जांच करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डा सोनिया ने महिलाओं को होने वाली मुख्यतः यौन जनित बीमारियों के प्रति सावधान किया और कहा कि महिलाओं को महावारी के दौरान की दृष्टि से बच्चों में कम से कम 5 साल का अंतराल रखना चाहिए। शिविर में जांच कराने आयी महिलाओं को सेनेटरी पैड्स वितरित किये गए । शिविर में संस्थापक डा राहुल वर्मा, डा कपिल भाटी, डा ओमवीर बघेल, डा पूनम, डा शिल्पी, कामना, विजय तंवर और शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश के नये डीजीपी होंगे वरिष्ठ IPS अधिकारी सुधीर सक्सेना, गृहमंत्री ने किया ऐलान

भोपाल। मध्यप्रदेश के अगले डीजीपी वरिष्ठ अधिकारी सुधीर सक्सेना होंगें इसकी घोषणा आज

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कर दी. मध्यप्रदेश सरकार के अनुरोध पर केन्द्र सरकार ने 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी सुधीर सक्सेना की सेवाएं वापस सौंप दी हैं. भारत सरकार ने आईपीएस सुधीर सक्सेना को प्रति नियुक्ति से वापस मध्यप्रदेश भेजने के आदेश जारी कर दिए हैं. वर्तमान डीजीपी विवेक जौहरी का कार्यकाल पांच मार्च को समाप्त होने जा रहा है.प्रतिनियुक्ति पर गृहमंत्रालय में पदस्थ थे सक्सेना 1987 बैच के आईपीएस अधिकारी सुधीर सक्सेना केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर गृह मंत्रालय में पदस्थ थे. इस बैच में उनका क्रम सबसे ऊपर है. सुधीर सक्सेना मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के ओएसडी भी रह चुके हैं. इस वजह से सीएम से वे हमेशा संपर्क में रहे हैं. पुलिस मुख्यालय की प्रमुख शाखाओं में शामिल प्रशासन के भी वह एडीजी रह चुके हैं. यही वजह है कि सुधीर सक्सेना को डीजीपी पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा था ऑपरेशन गंगा सिंधिया ने रोमानिया से भारतीय छात्रों को भेजा स्वदेश, विदिशा की सृष्टि सोनी से की बात सुधीर सक्सेना अविभाजित मध्यप्रदेश के कई जिलों के एसपी रह चुके हैं सुधीर सक्सेना अविभाजित मध्यप्रदेश में रायगढ़, छिंदवाड़ा, जबलपुर और रतलाम में एसपी रह चुके हैं. डीआईजी बनने के बाद 2002 में वे सीबीआई में प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे. हालांकि वहां से लौटने के बाद उन्हें आईजी इंटेलीजेंस बनाया गया था. मध्यप्रदेश के डीजीपी पद की रेस में सुधीर सक्सेना के अलावा डीजी होमगार्ड पवन जैन को भी दावेदार माना जा रहा था।

सेक्टर व गांव साफ सुथरे न मिलने पर स्वास्थ्य निरीक्षक नपेंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर व गांवों में सफाई के लापरवाही बरतना अब स्वास्थ्य निरीक्षक व सुपरवाइजर को भारी पड़ेगा। प्राधिकरण की सीईओ ने गंदगी मिलने पर दोनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। वहीं, जो बल्क वेस्ट जनरेटर 25 मार्च तक परिसर में वेट वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने वालों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने जन स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की। अफसरों को साफ सफाई समेत विभिन्न बिंदुओं पर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डोर टू डोर कूड़ा उठाने वाले दोनों एजेंसियों ने गीले व सूखे कूड़े को उठाने के लिए वेट ब्रिज स्थापित कर लिए हैं। एक कंपनी के तीन स्टेशन पर वेट ब्रिज स्थापित नहीं है, उन्हें 15 मार्च तक स्थापित करने के आदेश दिए गए हैं। वहीं शहर के विभिन्न मार्केट व टॉयलेट पर आवश्यकता का सर्वे करते हुए सीएसआर फंड से डस्टबिन उपलब्ध करने के लिए भी विशेष कार्याधिकारी को आदेश दिए हैं। सीईओ ने जन स्वास्थ्य विभाग में नियुक्त परामर्शदाताओं को एमआरएफ सेंटर, मैकेनिकल स्वीपिंग, बायो रेमिडियेशन आदि की निविदा की शर्तों को अन्य शहरों की निविदाओं से तुलना कर आवश्यक संशोधन करते हुए 10 मार्च तक समय दिया है। उद्यान विभाग को सीटी, पीटी, यूरिनल के सामने रखे गए टूटे पॉट्स को बदलने एवं खराब पौधों को बदलने के लिए 15 मार्च अंतिम तिथि दी है। सभी नालों का सर्वे कर बम्बू नेट का कार्य भी पूरा करने व एचसीएल फाउंडेशन लिमिटेड द्वारा सीएसआर फंड से कराए जाने वाले प्रस्तावित कार्यों का विस्तृत विवरण एक सप्ताह में प्रस्तुत कर अनुमोदन करने के लिए निर्देशित किया है।

शत-प्रतिशत पहली डोज के लक्ष्य की ओर बढ़े कदम, 97 फीसद से अधिक वयस्क आबादी को लगी कोविड रोधी वैक्सीन की पहली खुराक

नई दिल्लीं। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में वैक्सीन एक बड़ा हथियार साबित हुई है। नीति आयोग (स्वास्थ्य) के सदस्य डा. वीके पाल ने कहा कि यह बिल्कुल साफ हो

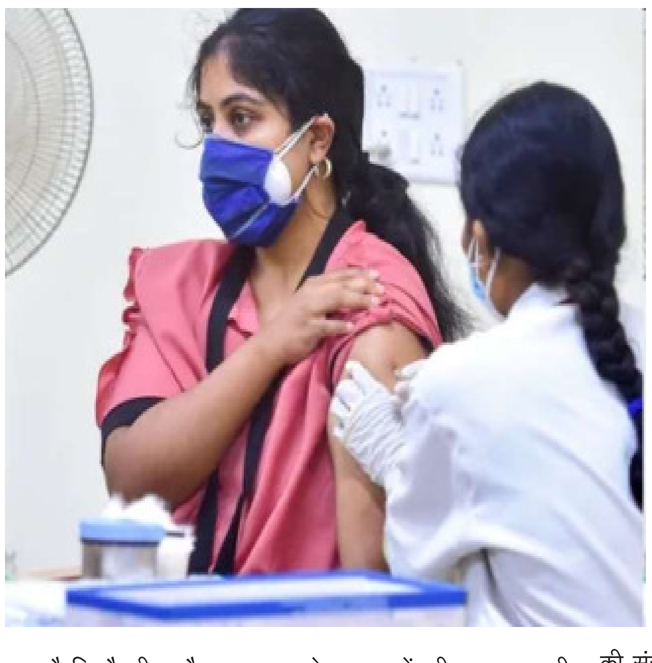

गया है कि वैक्सीन और व्यापक टीकाकरण ने लोगों की जान बचाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड रोधी टीकों ने देश को कोविड मामलों की संख्या में वृद्धि से बचाया है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि देश शत-प्रतिशत पहली डोज के लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। देश में 97 फीसद से अधिक वयस्क जनसंख्या को कोविड रोधी टीके की पहली डोज लगाई जा चुकी है। वहीं के महानिदेशक डा. बलराम भार्गव ने कहा कि मृत्यु दर की रोकथाम में टीकाकरण की प्रभावशीलता को मापा गया है। वैक्सीन की पहली डोज़ 98.9 फीसद प्रभावशीलता के लिए जिम्मेदार है जबकि दोनों डोज 99.3 फीसद प्रभावी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक 18 साल और उससे अधिक आयु वर्ग में 90.96 करोड़ लोगों यानी 97 फीसद को कोविड रोधी वैक्सीन की पहली डोज लगाई जा चुकी है। जबकि 76.66 करोड़ यानी 8 फीसद ने दूसरी डोज ले ली है। मंत्रालय के मुताबिक 2.03 करोड़ एहतियाती डोज जबकि 15 से 18 साल की उम्र वर्ग के 5.50 करोड़ यानी 74 फीसद को पहली जबकि 2.87 करोड़ यानी 39 फीसद को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। राष्ट्रव्यापी कोरोना टीकाकरण अभियान के तहत अब तक देश में 178.02 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति दिन प्रति दिन बेहतर होती जा रही है। 24 घंटों में जहां संक्रमण के साढ़े छह हजार मामले आए वहीं सक्रिय मामले घटकर 77 हजार के करीब पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार के आंकड़ों के अनुसार, देश में कोरोना से संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,29,45,160 हो गई। एक दिन में 6,561 और लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई, जबकि सक्रिय मामले घटकर 77,152 रह गए।सुबह 8 बजे अपडेट आंकड़ों में कहा गया कि 142 और लोगों की बीमारी से मौत के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,14,388 हो गई।

साफ सफाई एवं स्वच्छता हम सबकी जिम्मेदारी - कलेक्टर

नगर को स्वच्छ रखना हर नागरिक का कर्तव्य ङ- अध्यक्ष नगर पालिका

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। 4 मार्च 2022- साफ सफाई एवं स्वच्छता हम सबकी जिम्मेदारी है। नगर हम सब का है एवं नगर साफ, स्वच्छ रहें यह सब का दायित्व भी है। स्वच्छता का अर्थ होता है हमारे शरीर, मन और हमारे चारों तरफ की गंदगी को दूर कर साफ रखना आवश्यक है। स्वच्छता मानव समुदाय का एक आवश्यक गुण होता है। यह विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाव के सरलतम उपायों में से एक है। स्वच्छता जीवन की आधारशिला होती है। इसमें मानव की गरिमा व शालीनता के दर्शन होते हैं। स्वच्छता के द्वारा मनुष्य की सात्विक प्रवत्ति को बढ़ावा मिला है। रोजमर्रा के जीवन में हमें अपने बच्चों को साफ-सफाई के महत्व और इसके उद्देश्यों को भी समझाना चाहिए स्वच्छता सभी व्यक्ति के लिए बहुत जरुरी होता है। चाहे वह कोई भी क्षेत्र क्यों न हो, हमें सदैव इसका पालन करना चाहिये। स्वच्छता कई प्रकार की हो सकती है जैसे कि, सामाजिक, व्यक्तिगत, वैचारिक आदि। हमें हर क्षेत्र में इसे अपनाना चाहिये क्योंकि सबके मायने अलग होते हैं। विचारों कि स्वच्छता हमें एक अच्छा इंसान बनाती है, तो वहीं व्यक्तिगत स्वच्छता हमें हानिकारक बिमारियों से बचाती है। इस लिये स्वच्छता केः सार्वभौमिक विकास हेतु हमें सदैव प्रयासरत रहना चाहिये। कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने नगर में ठसाफ-सफाई एवं स्वच्छता अभियानठ के अंतर्गत नगर को साफ सुथरा एवं स्वच्छ कर सौंदर्यीकरण की ओर नगर के लोगों को प्रोत्साहित करने हेतु कहा। जिससे लोग साफ-सफाई एवं

स्वच्छता को आत्मसात कर स्वच्छता अभियान में सहभागिता निभाते हुए अपने आसपास गंदगी ना होने दें और एक अच्छे नागरिक होने का कर्तव्यों का निर्वहन करें। कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छता एक आवश्यक क्रिया है, जिससे हमारा शरीर, दिमाग, कपड़े, घर, आसपास और कार्यक्षेत्र साफ और शुद्ध रहते हैं। हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिये साफ-सफाई बेहद जरुरी है। अपने आसपास के क्षेत्रों और पर्यावरण की सफाई सामाजिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के लिये बहुत जरुरी है। हमें साफ-सफाई को अपनी आदत में लाना चाहिए और कूड़े को हमेशा कूड़ेदान में ही डालना चाहिए क्योंकि गंदगी वह जड़ है जो कई बीमारियों को जन्म देती है। गंदगी से आसपास के क्षेत्रों में कई तरह के कीटाणु, बैक्टीरिया वाइरस तथा फंगस आदि पैदा होते हैं जो बीमारियों को जन्म देते हैं।इसी प्रकार नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे ने कहा कि भारत सरकार ने स्वच्छता की आवश्यकता को समझते हुए स्वच्छ भारत नामक अभियान को चलाया और अभियान की सफलता के लिए शासन, प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों के साथ साथ आम जनमानस की सहभागिता आवश्यक है, तभी हम साफ सफाई एवं स्वच्छता अभियान को पूर्ण रूप से सफल बना सकते हैं और अपने नगर को साफ सुथरा एवं स्वच्छ कर उसका सौंदर्यीकरण भी कर सकेंगे। स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है और स्वच्छता संबंधी आदतों से हम स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। जब हमारा स्वास्थ्य ठीक रहेगा तो हम अपने नगर कि भी सफाई आसानी से कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी एक छोटी सी कोशिश मात्र से हम पूरे नगर को साफ एवं स्वच्छ कर सकते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि हमारे नगरपालिका के सभी पार्षद अपने अपने वार्ड में साफ सफाई एवं स्वच्छता का मुहिम आम जनमानस का सहयोग लेकर चलाएं, जिससे नगर साफ सुथरा और स्वच्छ हो सके। उन्होंने कहा कि हमें अधिक-से-अधिक पेड़ लगाकर वायु को शुद्ध करना चाहिए। मनुष्य में स्वच्छता का विचार उत्पन्न करने के लिए शिक्षा का प्रचार करना चाहिए। स्वच्छता उत्तम स्वास्थ्य का मूल मंत्र होता है। स्वच्छता अभियान के तहत पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड तथा पांडव नगर के विभिन्न मागी में कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला कटारे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री नरेंद्र सिंह, पार्षद श्री गोविंद सिंह राजपूत, पार्षद श्री संतोष लोहानी सहित पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य के साथ-साथ नगर के विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य एवं शिक्षक तथा खंड शिक्षा अधिकारी श्री एस.पी.एस. चंदेल, नगर स्वच्छता निरीक्षक श्री मोती लाल सिंह, श्री धनंजय सिंह सहित नगर पालिका का अमला स्वच्छता अभियान में प्लास्टिक एवं पन्नी बिनकर साफ-सफाई एवं स्वच्छता का संदेश जन-जन को दिया। जिससे वे इसे आत्मसात कर अपने घर के आस-पास साप सफाई एवं स्वच्छता अपना सकें।

पेसोचिन में फंसे एक हजार भारतीय छात्र भारत यूक्रेन और रूस के संपर्क में, लगातार गोलाबारी से निकालने में परेशानी

नई दिल्ली। यूक्रेन के युद्धग्रस्त शहर खार्कीव को छोड़ चुके करीब एक हजार भारतीय छात्र अब वहां से करीब 11 किलोमीटर दूर स्थित पेसोचिन शहर में फंसे हैं जबकि भारत सरकार की पहली एडवाइजरी जारी होने के बाद से गुरुवार शाम तक 18 हजार भारतीय स्वदेश पहुंच गए। अगले दो दिनों में 7,400 और भारतीयों को स्वदेश ले आया जाएगा। इनमें से 3,500 लोगों को शुक्रवार को और 3,900 लोगों को शनिवार को लाया जाएगा। यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को भारतीय छात्रों को तत्काल खार्कीव छोड़ने का अल्टीमेटम जारी किया था। इसके बाद अब करीब एक हजार छात्र पेसोचिन के स्कूलों व दूसरे स्थलों पर शरण लिए हुए हैं। इन्हें निकालने के लिए भारत, रूस और यूक्रेन के संपर्क में है, लेकिन गुरुवार को भी खार्कीव व आसपास के इलाकों पर रूसी हमलों की वजह से इनकी निकासी संभव नहीं हो पाई। विदेश मंत्रालय का दावा है कि पेसोचिन पहुंचे छात्रों के ठहरने और खाने-पीने का इंतजाम कराया गया है। यह पूछे जाने पर कि भारतीय दूतावास को किस तरह की सूचना मिली थी जब भारतीय छात्रों को खार्कीव छोड़ने का निर्देश दिया गया, तो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि रूस की तरफ से हमें तीन शहरों के नाम (पेसोचिन, बबाई और वेचलिदिविका) के नाम दिए गए और समय भी बताया गया था। बागची ने बताया कि बुधवार को जब यह सूचना भारतीय छात्रों

को मिली तो संभवतः सबसे नजदीकी शहर होने की वजह से वे सभी पेसोचिन ही पहुंच गए। वहां से इन छात्रों को यूक्रेन के दक्षिणी व पश्चिमी सीमा की तरफ भेजने की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन यह कब तक होगा, कहा नहीं जा सकता। अरिंदम बागची ने कहा कि यूक्रेन में हालात तेजी से बदलने की वजह से काफी समस्याएं आ रही हैं। जैसे पोलैंड सीमा पर बुधवार को भीड़ नहीं थी और भारतीय छात्रों को वहां से आसानी से बाहर निकाल लिया गया, लेकिन शाम के बाद स्थानीय यूक्रेनी शरणार्थियों की भीड़ काफी बढ़ गई। इसके बाद भारतीयों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। बागची ने बताया कि स्वदेश पहुंच चुके 18 हजार भारतीयों में से तकरीबन 6,400 नागरिकों को आपरेशन गंगा के तहत 30 उड़ानों से लाया गया है। पिछले 24 घंटे में ही 15 उड़ानों से 3,000 भारतीयों को स्वदेश लाया गया है। अगले 24 घंटों में पोलैंड, रोमानिया और हंगरी के विभिन्न शहरों से 18 और उड़ानें भारत आएंगी। इनमें भारतीय वायुसेना की सी-17 विमानों की तीन उड़ानों के अलावा एयर इंडिया, स्पाइस जेट, इंडिगो और गो एयर की उड़ानें शामिल हैं। सरकार अभी सही तरीके से यह नहीं बता पाई है कि 18 हजार भारतीयों की स्वदेश वापसी के बावजूद कितने लोग अभी यूक्रेन में हैं। बागची का कहना है कि कुल 20 हजार लोगों ने पंजीयन करवाया था कि वे यूक्रेन में हैं। लेकिन जिस तरह से संख्या दिख रही है उससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि कई लोगों ने पंजीयन नहीं करवाया। ऐसे में यह स्पष्ट तौर पर नहीं कहा जा सकता कि कितने भारतीय नागरिक अभी यूक्रेन में फंसे हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि भारतीय वायुसेना के विमान गुरुवार रात 11 बजे भारत में उतरेंगे। रोमानिया सरकार से बात होने पर भारतीय एयरलाइनों को एक और शहर से उड़ान भरने की मंजूरी मिल गई है। आकलन है कि शनिवार तक आपरेशन गंगा के तहत 15,000 छात्र वापस आ चुके होंगे। बागची ने बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव के हालात खराब होने के कारण भारतीय दूतावास के बहुत सारे अधिकारियों को अभी लवीव भेज दिया गया है और वहीं से पूरे यूक्रेन का संचालन हो रहा है। हालांकि कीव में भारतीय दूतावास काम कर रहा है और भारतीय राजदूत भी वहीं डटे हुए हैं।

नोएडा स्टेडियम मे मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। लक्ष्मी नारायण मंदिर सेक्टर56 द्वारा 6 मार्च को नोएडा स्टेडियम के लॉन टेनिस ग्राउंड में मेगा ब्लड डोनेशन कैम्प (विशाल रक्त दान शिविर 75 आज़ादी का

अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्रातः 8.30 से शाम 5 बजे तक आयोजन कर रहा है इसका उद्देश्य जनता को रक्त दान के लिए जाग्रत करना, युवकों व विद्याथिन्यों को अभी से इसकी महत्ता को समझाना व अपने नोएडा जनपद को रक्त के लिए आत्मनिर्भर करना है। एवं यह मोदी जी का संदेश दूसरे राज्यों को भी सभी आवश्यकताओं के लिए आत्म निर्भर होना और विशेषतया रक्त के छेत्र में होना है यह संस्था सन 2011 से रक्त दान शिविर आयोजित कर रही है। कोविड काल में भी इस संस्था ने सड़कों पर रक्त दान शिविर लगा कर रोगियों की रक्त की कमी को दूर करने में सेवा की थी। यह संस्था अब तक लगभग 5000 यूनिट सेना व सरकारी अस्पतालों को दे चुकी है। इस शिविर में हमारा लक्ष्य 1100़ रक्त यूनिट्स का है। इसके लिए 3 महीने से हमारे 15-20 साथी इसको सफल करने के प्रयास में लगे हैं इस विशाल कैम्प के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए सदगुरु जग्गी विश्वनाथ , माउंट एवेरेस्ट पर पहुँचने वाले नॉएडा निवासी युवा अर्जुन वाजपेयी व एन्इए के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने विडियो द्वारा अपील भी की है की लोग रक्त दान देकर मानवता की सेवा करने में अपना सहयोग दें। इस शिविर में एकत्रित हुए रक्त को लेने के लिए भारतीय सेना, जीटीबीअस्पताल, नोएडा जिला अस्पताल, पाजीआई ओफ़ चाइल्ड हैल्थ, जिम्स व नोएडा रोटरी की टीमें आ रही हैं और रक्त जो आएगा उसे घायल जवानों उनकेः परिवारजनों व गरीब रोगियों की सेवा के लिए उपयोग किया जाएगा।नोएडा अथॉरिटी का हेल्थ डिपार्टमेंट अपनी कूड़ा लाने वाली वैन में इसका ऑडिओ 1 मार्च से पूरे नोएडा में लोगों को जाग्रत करने के लिए चला रहा है। मारवाह स्टूडियो इसके प्रचार में ऑडिओ और विडीओ का अपने रेडीओ और टेलिविज़न चैनल पर प्रतिदिन और दिन मे कई बार प्रचार कर रहा है। इस आयोजन का नेतृत्व मंदिर के न्यासी और इस गतिविधि के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अशोक गुप्ता कर रहे हैं।

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन, फूलों का महत्व भी जान सकेंगे आम लोग

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर-37 स्थित बॉटनिकल गार्डन में रंग बिरंगे फूलों की खुशबू लेने के लिए तैयार हो जाए। यहां प्रकृति प्रेमियों व आम लोगों के लिए पुष्प प्रदर्शनी लगाई गई है। बृहस्पतिवार को प्रदर्शनी का शुभारंभ सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया। आम लोग गॉर्डन में घूमते हुए 47 विभिन्न दुर्लभ फूलों की प्रजातियों से रूबरू हो सकेंगे। लोगों को लुभाने के लिए यहां कई प्रकार के फूलों से सजावट भी की गई है। प्रदर्शनी में बैंगनी, लाल, पीले, हरे व सफेद रंग में उपलब्ध कई प्रजातियों के फूल बेहद ही खूबसूरत हैं। पहले ही दिन प्रदर्शनी में लोगों की काफी भीड़ रही। सेक्टर-37 स्थित बॉटनिकल गार्डन कई हेक्टेयर में फैला है। यहां हर साल प्रकृति प्रेमियों व आम लोगों के लिए फूलों की प्रदर्शनी लगाई जाती है। बॉटनिकल गार्डन के प्रशासनिक अफसर डॉ. संदीप चौहान ने बताया कि लोगों के लिए यह गार्डन सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक खुला रहेगा। पुष्प प्रदर्शनी में 47 दुर्लभ प्रजातियों के सात हजार 245 फूल मौजूद है। इस पुष्प प्रदर्शनी (फ्लावर शो) का उद्देश्य अधिक संख्या में स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, आम लोग, प्रकृति प्रेमियों को वनस्पति उदयान की तरफ आकर्षित करना एवं भारत की स्थानीय वनस्पतियों का संरक्षण कराना है।

टाइगर श्रॉफ की 'पूरी गल बात' पर लगा धुन चुराने का आरोप म्यूजिक कंपनी पर भड़के फैंस

नई दिल्ली। टाइगर श्रॉफ इस समय बॉलीवुड के सबसे बड़े एक्शन हीरो में से एक हैं। टाइगर के डांस मूव्स के लोग दीवाने हैं, सोशल मीडिया पर भी एक्टर की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। पिछले 2 सालों से एक्टर कई बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, जिसमें से एक म्यूजिक वीडियो 'पूरी गल बात' अभी हाल ही में रिलीज किया गया है। टाइगर को अब इसी के लिए चलते ट्रोल किया जा रहा है। के-पॉप के फैंस टाइगर के वीडियो सॉन्ग को काई पीचिस के गाने की कॉपी बता रहे हैं। टाइगर श्रॉफ ने हाल ही में प्रेम और हरदीप के सॉन्ग 'पूरी गल बात' के लिए पंजाबी में गाना गाकर अपने करियर में एक नई उपलब्धि हासिल की। 28 फरवरी को रिलीज हुआ, जी म्यूजिक कंपनी के तहत रिलीज किया गया संगीत वीडियो एक दिन के भीतर 10 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है। दक्षिण कोरियाई बॉयबैंड सदस्य काई के फैंस उनके पीचिस नाम के तीसरे मिनी-एल्बम से पहले के लेटेस्ट ट्रैक को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार ट्वीट कर रहे भी डिमांड की है। ये बात किसी से छुपी नहीं कि टाइगर श्रॉफ काई के काम के जबरदस्त फैन हैं। वो बहुत बार बता भी चुके हैं। हालांकि,

हैं। लोगों को पूरी गल बात का ट्रैक, म्यूजिक, बिट्स से लेकर सब कुछ ही काई के सॉन्ग की कॉपी लग रहा है। इसके अलावा, उन्होंने टाइगर से काई को क्रेडिट देने की साहित्यिक चोरी के इस आरोप से इंटरनेट पटा पड़ा है अधिकांश दर्शक इस बात से परेशान हैं कि वीडियो रिलीज करते समय उचित क्रेडिट नहीं दिया गया था।

जयदीप अहलावत जीशान अय्यूब स्टारर सीरीज 'ब्लडी ब्रदर्स' का ट्रेलर रिलीज, ब्रिटिश शो 'गिल्ट' का है रीमेक

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने एक वर्चुअल इवेंट में वेब सीरीज ब्लडी ब्रदर्स का ट्रेलर रिलीज किया। इस सीरीज का निर्देशन शाद अली ने किया है, जबकि निर्माता बीबीसी स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने किया है। ब्लडी ब्रदर्स एक डार्क कॉमेडी है, जो दो भाइयों की कहानी है। जयदीप अहलावत और मोहम्मद जीशान अय्यूब सीरीज में मुख्य किरदार निभा रहे हैं। ब्लडी ब्रदर्स 18 मार्च को प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम की जा रही है। ब्लडी ब्रदर्स की कहानी दो भाइयों जग्गी और दलजीत के इर्द-गिर्द घूमती है। जयदीप अहलावत जग्गी और जीशान दलजीत की भूमिका में हैं। ट्रेलर के मुताबिक, एक दुखद कार दुर्घटना होने पर इन दोनों की लाइफ नियंत्रण से बाहर हो जाती है। सच्चाई को छुपाने के लिए झूठ बोलने का सिलसिला शुरू होता है और जैसे-जैसे झूठ बोलना बढ़ता जाता है, इसमें और अधिक लोग शामिल होते जाते हैं। आखिर में दोनों भाइयों का इस पूरी गंभीर स्थिति से बचना मुश्किल हो जाता है। अब देखने वाली बात यह है कि ये भाई कितनी दूर तक झूठ को संभाल पाते हैं और इसके परिणाम कितने गंभीर होते हैं। 'ब्लडी ब्रदर्स' भाईचारे, रिश्तों, अपराध और ड्रामा की एक ट्विस्टेड कहानी है। सतीश कौशिक, श्रुति सेठ, टीना देसाई, जितेंद्र जोशी, माया अलग, मुग्धा गोडसे और यूरी सूरी सहायक किरदारों में दिखाई देंगे। बता दें, ब्लडी ब्रदर्स ब्रिटिश मिस्ट्री थ्रिलर 'गिल्ट' का इंडियन वर्जन है। निर्देशक, शाद अली का कहना है?-ठब्लडी ब्रदर्स भाइयों के रिश्तों पर बना बिल्कुल अलग शो है। जग्गी और दलजीत के बीच एक अनोखा ही रिश्ता है, जो गंभीर परिस्थितियों में बिल्कुल अलग ही व्यक्तिव के साथ बेहद खूबसूरती से डार्क कॉमेडी को सामने लाता है।

सुष्मिता सेन का दावा, बॉलीवुड में 'नेटवर्किंग' करने में असफल रहने के कारण मिला कम काम

नई दिल्ली। सुष्मिता सेन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि वह 10 वर्षो तक फिल्म इंडस्ट्री से दूर क्यों रही उन्होंने बताया कि दुबारा काम करने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ीत् सुष्मिता सेन ने मिस यूनिवर्स का पुरस्कार जीतने से लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री बनने तक एक लंबा सफर तय किया है उनका न सिर्फ फिल्मों में बल्कि वह मॉडलिंग जगत में भी काफी सफल रही है उन्हें दर्शकों का काफी प्यार मिला है हालांकि वह करीब एक दशक तक फिल्मों से दूर रही थी अब सुष्मिता सेन ने एक बार फिर वेब सीरीज के माध्यम से कमबैक किया हैत् वह फिर अभिनय करने लगी है सुष्मिता सेन ने कहा है कि उन्हें बॉलीवुड से इस प्रकार की भूमिकाएं नहीं मिल रही थी, जिन्हें वह करना चाहती थी इसलिए उन्होंने वेब सीरीज में काम करना स्वीकार किया सुष्मिता सेन की पिछली फिल्म 2010 में आई थी यह एक कॉमेडी फिल्म थी फिल्म का नाम दूल्हा मिल गया था इसमें फरदीन खान और शाह रुख खान की अहम भूमिका थी अब उन्होंने वेब सीरीज आर्या से 2020 में वेब सीरीज करना शुरू की है इसके पहले वह अपनी दो बेटियों को संभाल रही थी एक मुझे नहीं मिल रही थी एक ही प्रकार की भूमिकाएं दे रहे थे इसलिए मैं 10 वर्ष काम नहीं कर पाई सुष्मिता सेन ने यह भी बताया कि वह नेटवर्क करने में असफल रही इसकी वजह

फेसबुक पेज पर दिए इंटरव्यू में सुष्मिता सेन ने कहा, '10 वर्ष मैं अपनी चीजों को संभाल रही थी मुझे बताया जा रहा था, क्या करना है क्या नहीं जो सिनेमा मैं करना चाहती थी, उस प्रकार की फिल्में से भी उन्हें कम काम मिलात् वह कहती है, 'मैं नेटवर्क करने में अच्छी नहीं हूं यह मेरे लिए काम नहीं करता आर्या के 2 सीजन आ चुके हैं और तीसरे की शूटिंग चल रही है।

कंगना रनोट के शो में होने वाली है 'बिग बॉस १५' के इस फेसम कंटेस्टेंट की एंट्री

नई दिल्ली। बॉलीवुड 'क्वीन' कंगना रनोट इन दिनों अपेन नए रियलिटी शो 'लॉक अप' को लेकर काफी चर्चा में बनीं हुई हैं। कंगना को ये शो 27 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर शुरू हुआ है।

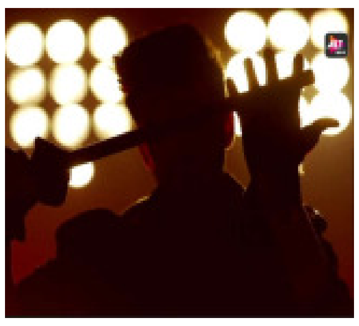

इस शो में एंटरटेनमेंट इंडस्टी के कई जानी मानी हस्तियों ने हिस्सा लिया है। ये सभी कंगना के लॉक अप यानी हिरासत हैं। शो के दौरान इन सभी कंटेस्टेंट को कंगना की हर बात माननी होगी। वहीं अब इस शो में एक नया ट्विस्ट आना वाला है। इस शो में कंगना के अलावा अब एक नए शख्स की एंट्री होने वाली है, जिसके आने के बाद कंटेस्टेंट के लिए ये सफर और भी ?मुश्किल होने वाला है। आइए जानते हैं वो कौन है कंगना रनोट के शो 'लॉक अप' में 'बिग बॉस' कंटेस्टेंट करण कुंद्रा की जबरदस्त एंट्री होने वाली है। करण कुंद्रा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में वह कहते हैं, 'शराफत किस चिडिया का नाम है लगता है ये सबको याद दिलाने का वक्त आ गया है। आ रहा हूं मैं क्वीन के इस बैडजेल में इन सबको लाइन पर लाने। असलिया का ये खेल तो अब शुरू होगा। इस वीडियो को शेयर करते हुए करण कुंद्रा ने कैप्शन में लिखा, 'जब रानियां बुलाती हैं, तो तुम तैयार हो जाते हो और पहुंच जाते हो !! इस बदशाह जेल में आने वाला है एक बदशाह तूफान, आप भी आना इस वीडियो के सामने आने के बाद एक बात तो साफ हो गई है कि ये शो अब और भी दिलचस्प होने वाला है। करण की एंट्री के बाद फैंस के बीच शो के लेकर और भी क्रेज बढ़ गया है।

मनोज बाजपेयी और कोंकणा सेन शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स ने किया नई सीरीज 'सूप' का एलान, शुरू हुई शूटिंग

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर इन दिनों अलग मिजाज का कंटेंट देखने को मिल रहा है। कई दिलचस्प वेब सीरीज और फिल्मों का एलान हो रहा है या रिलीज हो रही हैं। शुक्रवार को नेटफ्लिक्स ने है। कोंकणा का किरदार स्वाति शेट्टी एक बेहद खराब कुक है, जो एक दिन अपना रेस्तरां खोलने का सपना देख रही है, मगर उसका पति प्रभाकर उसकी ख्वाहिशों को पूरा करने का कोई इरादा नहीं रखता,

एक नई वेब सीरीज का एलान किया है, जिसमें इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकार मनोज बाजपेयी और कोंकणा सेन शर्मा साथ आ रहे हैं। सीरीज का टाइटल है सूप। प्लेटफॉर्म ने सीरीज का ऑन लोकेशन वीडियो शेयर करके घोषणा की है। इस सीरीज का निर्देशन अभिषेक चौबे कर रहे हैं। सूप एक डार्क कॉमेडी क्राइम ड्रामा बल्कि उसके अपने खुद के कुछ संदेह हैं। फिल किस्मत मोड़ लेती है और उसे मौका मिलता है एक मास्टर प्लान बनाने का। हालांकि, जैसा सोचती है, वैसा होता नहीं। सीरीज में नासर, सयाजी शिंदे भी अहम किरदारों में दिखेंगे। अभिषेक चौबे ने इससे पहले नेटफ्लिक्स की एंथोलॉजी फिल्म रे की एक कहानी हंगामा क्यों है बरपा में मनोज बाजपेयी को निर्देशित किया था। वहीं, अनकही कहानियां में मध्यांतर नाम की कहानी रिंकू राजगुरु के साथ निर्देशित की थी अभिषेक चौबे ने मनोज को सोन चिड़िया में भी निर्देशित किया था। मनोज इन दिनों ओटीटी स्पेस में काफी सक्रिय हैं। पिछले साल मनोज बाजपेयी की सीरीज द फैमिली मैन का दूसरा सीजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई था, जिसे काफी सफलता मिली थी वहीं, कोंकणा सेन शर्मा ने प्राइम वीडियो की वेब सीरीज मुंबई डायरीज में चित्रा दास का रोल निभाया था, जो काफी चर्चित रहा। इस सीरीज में कोंकणा की एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। कोंकणा नेटफ्लिक्स की एंथोलॉजी फिल्म अजीब दास्तांस की भी एक कहानी में नजर आयी थीं। इस कहानी में उन्होंने एक लेस्बियन किरदार निभाया था। अदिति राव हैदरी उनकी को-एक्टर थीं। फिल्मों की बात करें तो कोंकणा पिछले साल रामप्रसाद की तेरहवीं में दिखायी दी थीं और अब द रेपिस्ट में नजर आएंगी।

बालिका वधु की 'आनंदी' ने सिर्फ शर्ट में करवाया फोटोशूट, एक्ट्रेस की तस्वीरें देख फैंस ने दिया ऐसा रिएक्शन

नई दिल्ली। टीवी सीरियल 'बालिका वधू' से घर-घर में मशहूर हुई अभिनेत्री अविका गौर एक्टिंग के अलावा अपनी बोल्डनेस की वजह से भी चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अक्सर हॉट और बोल्ड तस्वीरें तेजी से वायरल होती रहती हैं। अब एक बार फिर से अविका गौर ने अपना बोल्ड अंदाज दिखाया जिसे उनके फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। अविका गौर ने हाल ही में एक फोटोशूट करवाया है। इस फोटोशूट में उन्होंने अपना बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज दिखाया है। अपने फोटोशूट की तस्वीरों को अविका गौर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। अविका गौर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अक्सर खास तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। अविका गौर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह ब्लैक कलर की लॉन्ग शर्ट पहने दिखाई दे रही हैं। साथी ही खुद को खूबसूरत दिखाने के लिए रेड कलर की लिपिस्टिक लगाई है और बालों को खोला हुआ है। फोटोशूट में वह अलग-अलग पोज में तस्वीरें क्लिप करवाती दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों में अविका गौर का बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज देखते ही बन रहा है। इन तस्वीरों को

शेयर करते हुए उन्होंने खास कैप्शन भी लिखा है।में लिखा, 'मुझे अच्छा लगता है जब मैं तुम्हें अपनी ओर देखते हुए पकड़ता हूं।' सोशल मीडिया बालिका वधु की यह सभी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। अभिनेत्री के फैंस उनकी तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। आपको बता दें कि अविका गौर बालिका वधु के अलावा ससुराल सिमर का, लाडो और नागिन 3 में नजर आ चुकी हैं। सीरियल्स में अविका गौर की एक्टिंग को फैंस हमेशा से पसंद करते रहे हैं। बात करें अविका गौर की निजी जिंदगी की तो वह लंबे समय से मिलिंद चंदवानी को डेट करने की वजह से चर्चा में हैं। इन दोनों को अक्सर साथ में देखा जाता है। इतना ही नहीं अविका गौर और मिलिंद चंदवानी अक्सर सोशल मीडिया के जरिए भी एक-दूसरे से प्यार जाहिर करते रहत हैं।

करिश्मा कपूर हुई कोरोना पॉजिटिव, इस बात को लेकर सैफ अली खान की बहन ने मीडिया को लेकर जताई नाराजगी

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना की तीसरी लहर का असर अब धीरे-धीर कम हो रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि इसके केस सामने नहीं आ रहे हैं। इसी बीच अब बॉलवुड एक्ट्रसे करिश्मा कपूर को कोविड पॉजिटिव होने की खबर समाने आ रही हैं। करिश्मा के कोविड पॉजिटिव होने की जानकारी सैफ अली खान की बहन सबा अली खान ने सोशल बेहतर होगा कि मैं अपने विचारों को जोर से न बोलूं। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में करिश्मा कपूर की छोटी बहन करीना कपूर खान बॉलीवुड एक्ट्रसे काजोल से गपशप करती नजर आ रही हैं। इस दौरान दोनों लंबी बातें की। वहीं इस वीडियो पर लोग कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कमेंट में

मीडिया के जरिए दी है। सैफ अली खान खान की बहन सबा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम स्टारी पर अपनी और करिश्मा कपूर की एक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर के साथ ही उन्होंने करिश्मा के जल्द ठीक होने की दुआ भी मांगी है। उन्होंने लिखा, 'जल्द स्वस्थ हो जाओ करिश्मा।' इसे साथ ही सबा ने मीडिया को लेकर नाराजगी भी जाहिर की है। सबा ने आगे लिखा, 'पता नहीं था मीडिया इतनी स्पष्ट रूप से बातचीत सुनती है। अगली बार जब मैं जेह जान का अपहरण करने की योजना बनाऊं, तो यूजर्स ने कहा कि जहां काजोल ने करीना के छोटे बेटे जेह के बारे में पूछा वहीं कुछ देर बाद ही उनकी बातचीत कोविड पर शिफ्ट हो गई। काजोल ने कहा कि पिछले दिनों वो भी कोविड पॉजिटिव हो गई थीं। वहीं दूसरी तरफ करीना ने भी करिश्मा कपूर के कोविड होने की बात कही। करिश्मा कपूर ने कहा, 'लोलो (करिश्मा कपूर) भी कल ही कोविड पॉजिटिव पाई गई है।' हलांकि वीडियो में दोनों की एक्ट्रेसेस की आवाज साफ सुनाई नहीं दे रही है। बावजूद इसके यूजर्स इस तरह के कमेंट्स कर रहे हैं।

क्रॉप टॉप और गोल्डन स्कर्ट में नागिन मौनी रॉय का दिखा खूबसूरत अंदाज बिखेरे हुस्न के जलवे

नई दिल्ली। मौनी रॉय टेलीविजन का एक बड़ा नाम हैं। नागिन शो से सिर्फ मौनी ने घर-घर में एक अलग पहचान बना ली है। टेलीविजन के साथ-साथ मौनी रॉय ने बॉलीवुड में भी अपने कदम जमा लिए हैं और वह कई बड़ी फिल्मों में नजर आईं। सोशल मीडिया पर मौनी रॉय की एक अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है और वह अपनी शादी के बाद से लगातार लाइमलाइट में बनी हुई हैं। मौनी

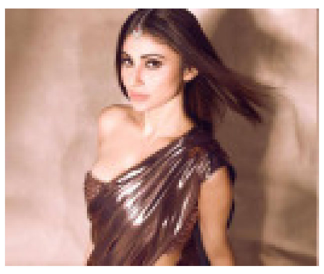

सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करके अपने फैंस का दिल जीत लेती हैं। अब हाल ही में मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम कई खुले बालों में कई खूबसूरत तस्वीरों से फैंस का ध्यान खींचा है मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पर हाल ही में अपनी कई ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट की हैं। अपने नए फोटो शूट को मौनी रॉय चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक फैंस के साथ शेयर की है। इन तस्वीरों में मौनी रॉय ब्लैक क्रॉप टॉप और गोल्डन लॉन्ग स्कर्ट में नजर आ रही हैं और उन्होंने इन तस्वीरों में अपने बालों को खुला छोड़ा है और हल्का वेव लुक दिया है। मौनी रॉय के इस लुक को उनका स्मोकी मेकअप कम्प्लीट कर रहा है। उन्होंने अपने इस शानदार लुक में कई तस्वीरें शेयर की। मौनी रॉय अपनी हर तस्वीर में अलग-अलग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। व्ह बालकनी में खड़े होकर पोज दे रही हैं। पहली तस्वीर में जहां वो साइड देखते हुए आंखें बंद करके पोज कर रही हैं तो वही दूसरी तस्वीर में उन्होंने बड़े ही स्टाइल में अपने सिर पर हाथ रखा हुआ है। तीसरी तस्वीर में जहां मौनी साइड लुक देते हुए कैमरा की तरफ देख रही है। तो वही चौथी तस्वीर में वह बालकनी में हाथ रखकर खड़ी हैं और साइड में देख रही हैं। मौनी रॉय की ये तस्वीरें तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। उनका ग्लैमर और हॉट अंदाज फैंस का दिल जीत रहा है। फैंस भी उनके इस लुक की तारीफ करते हुए नहीं थक रहे हैं। मौनी रॉय ने अपने करियर की शुरुआत साल 2006 में टीवी के लोकप्रिय शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। इसके बाद उन्होंने कस्तूरी, पति-पत्नी और वो, देवो के देव महादेव जैसे कई शोज में काम किया। लेकिन मौनी रॉय के करियर में एक बड़ा मुकाम तब आया जब वह एकता कपूर के सुपरनैचुरल शो नागिन 1 और नागिन 2 में नजर आईं। इस शो के जरिए उन्हें फैंस का खूब प्यार मिला। मौनी रॉय के लेटेस्ट प्रोजेक्ट की बात करें तो वह इन दिनों जीटीवी के डांस रिएलिटी शो 'डीआईडी लिटिल मास्टर में नजर आ रही हैं। वह सोनाली बेंद्रे और रेमो डिसूजा के साथ इस शो को जज कर रही हैं। इसके अलावा वह करण जौहर की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में भी नजर आने वाली हैं।

गुड्डू पंडित की बहन 'डिम्पी' ने शर्ट के बटन खोल दिए पोज, यूजर ने कहा, 'जहर है ये लड़की'

नई दिल्ली। अमेजन प्राइम के फेमस सीरीज में से एक 'मिर्जापुर' दर्शकों का बेहद पसंदीदा रहा है। इस मोस्ट सक्सेसफुल सीरीज के हर किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। हर किसी ने अपनी दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाया है। वहीं 'मिर्जापुर' में 'डिम्पी' यानी गुड्डू पंडित की बहन के रोल को भी काफी पंसद किया गया है। शो में जहां गुड्डू पंडित का रोल अली फजल ने निभाया वहीं 'डिम्पी' के किरदार में एक्ट्रेस हर्षिता गौर नजर आईं थीं। 'मिर्जापुर' में भले ही 'डिम्पी' ने अपने सिंपल लुक से फैंस का दिल जीता हो लेकिन वह रियल लाइफ में काफी बोल्ड हैं। शो में सलवार सूट में नजर आने वाली डिम्पी यानी हर्षिता का सोशल मीडिया अकाउंट उनकी हॉट तस्वीरों से भरा हुआ है। इसी बीच हर्षिता की कुछ तस्वीरें उनके फैंस को दीवाना बना रहीं हैं। यहां देखें

तस्वीरें 'मिर्जापुर' फेम 'डिम्पी' यानी हर्षिता गौर ने इंस्टाग्राम आकउंट पर अपनी दो सुपरहॉट फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका लुक देख फैंस के क्रेजी हो रहे हैं। हर्षिता की पहली तस्वीर में आप देख सकते हैं कि वह बेहद हॉट ब्रालेट पहने कमरे के एक कोने में पोज देती दिख रही हैं। इस तस्वीर में उनके चेहरे के शांत एक्सप्रेशन फैंस को पागल बना रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वह और भी कातिल नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में वह एक डार्क रूम में बैठी पोज दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने ब्लैक कलर के शर्ट के साथ ब्लैक कलर की ही ब्रालेट पहनी हुई है। वहीं हर्षिता अपनी इस शर्ट के सारे बटन खोलकर अपनी ब्रालेट को फ्रॉन्ट करती नजर आ रही हैं। तस्वीर में उनके खुले बाल उनके लुक और भी खूबसूरत बना रहे हैं। हर्षिता गौर की इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर यूजर्स उन्हें छेड़ते नजर आ रहे हैं। इस पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'जहर है ये लड़की।' वहीं दूसरा लिखता है, 'मुनन भइया को तुमसे प्यार करना चाहिए था।' वहीं एक ने लिखा, 'अगर आपका भाई गुड्डु भईया न होता तो आपसे प्यार जरूर करता।'

टेलीविजन अभिनेत्रियों ने महिला सशक्तीकरण के बदलते मायनों पर की बात कहा-आज महिला हर चीज में सुदृढ़ हैं

मुंबई। वक्त के साथ समाज में महिला सशक्तीकरण के मायने भी बदलते रहते हैं। पहले की तुलना में आज के दौर में महिलाएं काफी सशक्त हैं, उन्होंने हर क्षेत्र में आगे बढ़कर खुद को साबित किया है। फिर भी समाज के कई तबकों में पुरुषों की तुलना में उन्हें कम आंका जाता है। आज भी कई क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी कम है। वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ अपने फैसले स्वयं करना, शिक्षा और करियर चुनने की स्वतंत्रता जैसे आज भी ऐसे कई विषय हैं, जिन पर महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से काम करने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर मौजूदा दौर में महिला सशक्तीकरण के सही मायने और जरूरतों पर टीवी कलाकारों हिबा नवाब, मौली गांगुली, एतशा संझगिरी और स्वाति राजपूत की राय स्टार भारत के आगामी शो वो तो है अलबेला की मुख्य अभिनेत्री हिबा नवाब कहती हैं, मेरा पेशा ही मुझे बहुत सशक्त महसूस कराता है। कलाकार होने के नाते हम दर्शकों को प्रभावित करते हैं। मैं अगर अपने काम से किसी को प्रभावित या खुश कर पाऊं तो वह अहसास ही मुझे मजबूत बनाता है। सशक्त महिला वही होती है, जो अपनी कमियों और खूबियों को अपनाए। उन्हें जो चाहिए, उसके लिए वे कड़ी मेहनत करें। टीवी पर महिलाओं ने अपना परचम लहराया है। मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू किया था, छोटे शहर से हूं। मेरे लिए मुश्किल था, वहां पहुंचना, जहां आज हूं। मैंने कई चुनौतियों का सामना किया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।